पाक्षिक

क्रांतिरथ छत्तीसगढ़

सामाजिक क्रांति के पथ पर अग्रसर



गोपाष्टमी पर अग्रसेवा गौशाला में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब



गौमाता भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग - राज्यपाल

◆ वर्ष - 23 ◆ अंक - 10 ◆ रायपुर 20 नवंबर 2026 ◆ पृष्ठ - 08 ◆ मूल्य-5/- रुपया

मुख्यमंत्री निवास में दीपावली मिलन समारोह बना आत्मीयता का प्रतीक

सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम





रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नवा रायपुर स्थित निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह सामाजिक समरसता, आत्मीयता, सेवा भावना और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम बना।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पद्मश्री सम्मानित विभूतियों, विभिन्न समाजों के वरिष्ठजनों, लोकतंत्र सेनानियों, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं तथा शिक्षा, सेवा, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक जागरण, सुरक्षा और आर्थिक क्षेत्र में सक्रिय संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष स्वरूप प्रदान किया। नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह केवल शुभकामनाओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह समाज के विभिन्न क्षेत्रों में दशकों से समर्पित भाव से कार्य कर रहे लोगों के सम्मान, उनके अनुभवों को साझा करने और सामाजिक संबंधों को नई ऊर्जा देने का यादगार अवसर बना। समारोह में छत्तीसगढ़ की सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक गौरव, सेवा भावना और आपसी सद्भाव की सुंदर झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और दीपावली की शुभकामनाएं देने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। वे स्वयं एक-एक टेबल पर पहुंचे और लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने वरिष्ठजनों के अनुभव सुने, विभिन्न संगठनों की गतिविधियों की जानकारी ली और समाज के लिए किए जा रहे उनके कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री के सहज, सरल और आत्मीय व्यवहार ने समारोह को औपचारिक आयोजन से आगे बढ़कर अपनत्व और पारिवारिक मिलन का स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली का पर्व केवल प्रकाश और उल्लास का उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों से मिलना और उनके अनुभवों को जानना सदैव प्रेरणादायक होता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी शक्ति यहां के लोगों की सरलता, आत्मीयता, सामाजिक एकता और सेवा भावना है। समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के सामूहिक प्रयासों से ही प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं को सहेजते हुए विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है।



लोकतंत्र सेनानियों से संवाद, उनके संघर्ष और योगदान को किया नमन

दीपावली मिलन समारोह में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोकतंत्र सेनानियों ने भी मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीय संवाद किया और आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष तथा उनके अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लोकतंत्र भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतांत्रिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

एक-एक टेबल पर पहुंचे मुख्यमंत्री, आत्मीय संवाद से यादगार बना समारोह

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का सहज और आत्मीय व्यवहार अतिथियों के लिए विशेष आकर्षण रहा। उन्होंने औपचारिकताओं से अलग हटकर सभी समूहों के बीच पहुंचकर व्यक्तिगत संवाद किया। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से पुराने अनुभवों की जानकारी ली, लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को सम्मान दिया, कलाकारों की साधना को सराहा और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से उनके सामाजिक कार्यों के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री के साथ आत्मीय संवाद के दौरान अतिथियों ने भी अपने अनुभव और विचार साझा किए। अलग-अलग जिलों और क्षेत्रों से आए लोगों के बीच परिचय, संवाद और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान से मुख्यमंत्री निवास में उल्लास, सौहार्द और अपनत्व का वातावरण बना रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे अवसर केवल मिलन समारोह नहीं होते, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विश्वास, संवाद और सहयोग के संबंधों को और अधिक मजबूत बनाते हैं। वर्षों से समाज जीवन में सक्रिय वरिष्ठजनों का अनुभव और नई पीढ़ी का उत्साह मिलकर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखते हैं।

एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा प्रमाण पत्र वितरण समारोह संपन्न



लखनपुर (अंबिकापुर/सरगुजा, छत्तीसगढ़)। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा WEC सेंटर लखनपुर में प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वनबंधु परिषद के राष्ट्रीय वनयात्रा संयोजक श्री अनिल कुमार डागा जी अपनी पूरी टीम के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने एकल अभियान एवं एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, संस्कार निर्माण, जनसेवा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं एवं युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना तथा समाज के सर्वांगीण विकास में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना संगठन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं अतिथिगण
श्री प्रदीप कुमार गुप्ता जी -अध्यक्ष
श्री सत्यनारायण तिवारी जी - उपाध्यक्ष
श्री यतेंद्र पांडे जी -जागरण प्रभारी
श्री सुरेश अग्रवाल जी -हरिकथा अध्यक्ष
श्री विश्वनाथ गुप्ता जी -एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन अभिभावक
श्री सुभाष अग्रवाल जी - ग्राम विकास प्रभारी
श्री सुरेंद्र साहू जी - पूर्व एकल विद्यालय योजना प्रमुख एवं सामाजिक कार्यकर्ता
श्री विजय अग्रवाल जी - विशिष्ट अतिथि
एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के कार्यकर्ता
श्री विजय कुमार जी - स्टेट कोऑर्डिनेटर
श्री ओमकार सिंह साहू जी -भाग समन्वयक
एकल अभियान के कार्यकर्ता
श्री अवधेश दास जी -अंचल गतिविधि प्रमुख
श्री रामेश्वर प्रजापति जी -संच प्रमुख, लखनपुर
श्री हालसाय जी -संच प्रमुख, दरिमा
श्रीमती सुशीला दासी जी -संच संस्कार शिक्षा, राजपुर
श्री संतोष यादव जी -अंचल प्रशिक्षण गतिविधि प्रमुख
श्रीमती आशा सिंह जी -अंचल व्यास
श्री सुमित सिंह जी -उपसंघ संपर्क प्रमुख, लखनपुर
श्री श्यामलाल प्रजापति जी - WEC मोबिलाइजर
श्री राहुल प्रजापति जी – WEC मोबिलाइजर, श्रीनगर
श्रीमती चंद्रकुंवर सिंह जी – WEC ट्रेनर
इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रेरणादायी संदेश

समारोह के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके प्रयासों एवं उपलब्धियों को प्रोत्साहित किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने सभी







कार्यकर्ताओं से संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार, संस्कार शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक जागरूकता एवं कौशल विकास के कार्यों में निरंतर सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन संगठन के प्रति समर्पण, आपसी सहयोग एवं समाज सेवा की भावना को मजबूत करने के संकल्प के साथ हुआ।

एकल अभियान एवं एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन का उद्देश्य ग्रामीण समाज का सर्वांगीण विकास, शिक्षा, संस्कार, जागरण एवं कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण करना है।

स्वर्णभूमि में श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ गोपाष्टमी महोत्सव संपन्न

गोपूजन, तुलादान, गौ सवामणी एवं छप्पन भोग में रहवासियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, गौसेवा एंबुलेंस का भी हुआ शुभारंभ

रायपुर। स्वर्णभूमि कॉलोनी में गोपाष्टमी के पावन अवसर पर फेस-2 एवं फेस-3 के रहवासियों द्वारा गठित गौ सेवा समिति के तत्वावधान में गोपाष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। स्वर्णभूमि समिति के अंतर्गत कॉलोनी के फेस-2 एवं फेस-3 स्थित दुर्गा मंदिर के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रहवासियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से गौपूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात गौमाता के सम्मान एवं सेवा के उद्देश्य से तुलादान का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलोनीवासियों एवं प्रवासी बंधुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गौमाता के लिए गौ सवामणी, छप्पन भोग एवं भोग प्रसादी की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने गौमाता का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम की एक विशेष पहल के अंतर्गत श्रद्धालुओं को पंचगव्य से निर्मित श्री लक्ष्मी-गणेश जी की प्रतिमाएं सप्रेम भेंट की गईं। इस पहल के माध्यम से गौ आधारित उत्पादों, स्वदेशी परंपरा एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

आयोजकों ने बताया कि गौसेवा का वास्तविक अर्थ केवल दूध देने वाली गायों की देखभाल तक सीमित नहीं है, बल्कि बीमार, वृद्ध, अशक्त एवं निराश्रित गौवंश की सेवा और संरक्षण भी इसका महत्वपूर्ण अंग है। गौशालाओं में बड़ी संख्या में ऐसी गायों की देखभाल की जाती है, जो दूध उत्पादन में सक्षम नहीं हैं। इसलिए गौसेवा को आर्थिक लाभ के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि पूर्णतः जीवदया और सेवा के भाव से देखना चाहिए।







गौसेवा एंबुलेंस का शुभारंभ, नवजात बछड़े एवं गाय का रेस्क्यू

गोपाष्टमी के इस आयोजन में गौसेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल भी की गई। श्री गिरिराज सिंघानिया के सहयोग से गौसेवा एंबुलेंस का शुभारंभ किया गया। इस एंबुलेंस के माध्यम से कॉलोनी क्षेत्र में एक नवजात बछड़े एवं उसकी गाय के रेस्क्यू का कार्य भी संपन्न हुआ।

अग्र सेवा तरां गौशाला की ओर से श्री केशव अग्रवाल ने समिति के निवेदन पर रात्रि में ही मौके पर पहुंचकर इस रेस्क्यू कार्य को अंजाम दिया। उनके इस सेवाभाव, तत्परता एवं सहयोग के लिए समिति ने विशेष आभार व्यक्त किया। एंबुलेंस की यह सुविधा भविष्य में जरूरतमंद एवं असहाय गौवंश की सहायता के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।







रहवासियों के उत्साह ने समिति को दी नई प्रेरणा

समिति के सदस्यों ने बताया कि गोपाष्टमी के आयोजन में कॉलोनी के रहवासियों एवं प्रवासी बंधुओं से जिस प्रकार का उत्साहजनक सहयोग और सहभागिता प्राप्त हुई, उससे समिति को नई प्रेरणा मिली है। समिति का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि फेस-2 एवं फेस-3 के रहवासियों की सहभागिता से कॉलोनी के विकास, सेवा, सद्भाव एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाना है। समिति ने स्पष्ट किया कि आने वाले समय में कॉलोनी एवं आसपास के परिक्षेत्र में गौसेवा, जीवदया, सामाजिक सहयोग और अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों के नए-नए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समिति का प्रयास रहेगा कि कॉलोनी के प्रत्येक परिवार को किसी न किसी सेवा कार्य से जोड़कर सामूहिक सहभागिता की एक सकारात्मक परंपरा विकसित की जाए।

आयोजकों ने किया सभी रहवासियों का आभार व्यक्त

कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री विनोद तोषनीवाल, श्री मनोज साहू, श्री कृष्णा देवांगन, श्री सीएम चंद्राकर, श्री अशोक हरलालका, श्री आशीष भूपणिया, श्री मुकेश गोयल सहित गौ सेवा समिति के सदस्यों एवं अनेक सहयोगकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन के समापन पर आयोजकगणों ने समस्त रहवासियों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं एवं प्रवासी बंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि कॉलोनी के रहवासी गौमाता की सेवा के लिए जागरूक होकर आगे आ रहे हैं और तन-मन-धन से सहयोग कर रहे हैं। तुलादान सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों में सहभागिता करने वाले सभी परिवारों को समिति ने साधुवाद दिया।

समिति के सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि रहवासियों का यही सहयोग और सामूहिक भावना भविष्य में भी बनी रहेगी तथा स्वर्णभूमि फेस-2 एवं फेस-3 सामाजिक सद्भाव, सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

गौसेवा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

जिले में धान खरीदी ने पकड़ी रफ्तार, 16 नवंबर तक 4,378 मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीदी

बेमेतरा प्रदेश में सबसे अधिक धान खरीदी करने वाले टॉप-3 जिलों में शामिल, 140 उपार्जन केंद्रों में जारी है खरीदी

ब्यूरो चीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत बेमेतरा जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से जारी है। जिले के किसानों में धान बेचने को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में सुबह से ही किसानों की आवक बनी हुई है। मार्कफेड से प्राप्त 16 नवंबर 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक कुल 4,378.68 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। इसके साथ ही बेमेतरा जिला प्रदेश में सर्वाधिक धान खरीदी करने वाले शीर्ष तीन जिलों में शामिल हो गया है।

140 उपार्जन केंद्रों में शुरू हुई खरीदी- जिले के सभी 140 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। केंद्रों में तौल, बारदाना, नमी मापक यंत्र सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। अधिकारियों को खरीदी प्रक्रि या पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसानों को निर्धारित टोकन के अनुसार धान बेचने के लिए बुलाया जा रहा है, ताकि उन्हें अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

मोटा धान की सबसे अधिक खरीदी- अब तक जिले में विभिन्न किस्मों के धान की खरीदी का आंकड़ा इस प्रकार है। मोटा धान 3,012.08 मीट्रिक टन, पतला धान 1,362.60 मीट्रिक टन तथा सरना धान 4.00 मीट्रिक टन खरीदा गया है। इस प्रकार जिले में कुल 4,378.68 मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। आंकड़ों के अनुसार जिले में सबसे अधिक मोटा धान की खरीदी हुई है, जबकि पतला धान भी बड़ी मात्रा में उपार्जन केंद्रों तक पहुंच रहा है।

प्रदेश की कुल खरीदी में बेमेतरा का लगभग 8 प्रतिशत योगदान

प्रदेश में 16 नवंबर तक कुल 54,686.80 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसमें अकेले बेमेतरा जिले की हिस्सेदारी लगभग 8 प्रतिशत है। शुरुआती दिनों में ही जिले की यह उपलब्धि धान खरीदी की तेज रफ्तार को दर्शाती है।

किसानों में उत्साह, प्रशासन ने दिए व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

धान खरीदी प्रारंभ होने से किसानों में खुशी का माहौल है। किसानों का कहना है कि उपार्जन केंद्रों में व्यवस्थाएं बेहतर रहने से धान बेचने में सुविधा मिल रही है। वहीं, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा मगगाई ने सभी समिति प्रबंधकों को खरीदे गए धान का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने तथा किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा खरीदी प्रक्रि या पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आने वाले दिनों में धान खरीदी की रफ्तार और बढ़ने की संभावना है।

विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे अहम- राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा है कि भारत युवाओं का देश है, जहाँ देश की लगभग 35 प्रतिशत आबादी युवा है। यही युवा शक्ति देश को वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत बनाने में सबसे अहम भूमिका निभाएगी। युवाओं की शिक्षा, कौशल, कड़ी मेहनत और नवाचार से ही देश की प्रगति की दिशा तय होगी। राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी लगन, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करें ताकि समाज और राष्ट्र का भला हो।

राज्यपाल श्री डेका आज रायपुर के लोक भवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में 'मेरा युवा भारत' द्वारा आयोजित 'वंदे मातरम् राज्य युवा शिविर' में विभिन्न राज्यों से आए युवा स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। 17 से 23 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस सात दिवसीय शिविर में महाराष्ट्र, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर के युवा प्रतिभागी शामिल हुए हैं।

राष्ट्रीय एकता और संस्कृति का आदान-प्रदान

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि ऐसे युवा शिविर अलग-अलग राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विचारों को जानने-समझने का बेहतरीन अवसर देते हैं। इससे आपसी सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और नेतृत्व क्षमताओं का विकास होता है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे मातृभूमि के प्रति प्रेम, समर्पण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक बताया।

युवाओं को सफलता के सूत्र बताते हुए राज्यपाल ने धैर्य, दृढ़ता और स्पष्ट उद्देश्य को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि केवल लक्ष्य तय करना काफी नहीं है, बल्कि उसे पाने के लिए निरंतर प्रयास, कठोर परिश्रम और अनुशासन जरूरी है। उन्होंने कहा कि टालमटोल से बचें युवाओं को आज का काम कल पर टालने की आदत से बचना चाहिए। श्री डेका ने कहा कि समय की पाबंदी ही सफलता की असली नींव है।

रामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले 45 श्रद्धालुओं ने सांसद विजय बघेल से लिया आशीर्वाद

सांसद विजय बघेल ने तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर किया आत्मीय स्वागत, सुखद एवं मंगलमय यात्रा की दी शुभकामनाएं

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया





थान खम्हरिया। पाटन विधानसभा क्षेत्र के 45 श्रद्धालुओं का जत्था भगवान श्रीरामलला के दर्शन के लिए रवाना होने से पूर्व दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रंजनी बघेल का आशीर्वाद लेने उनके निज निवास सेक्टर-5, भिलाई पहुंचा।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने सभी श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने सभी को रामलला के दर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आप सभी का सौभाग्य है कि आपको प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का पुण्य अवसर प्राप्त हो रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का भी आप सभी को शुभाशीष प्राप्त हो। प्रभु श्रीराम आप सभी को मानव सेवा एवं समाज सेवा करने की शक्ति प्रदान करें।

सांसद विजय बघेल ने इस अवसर पर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का उल्लेख करते हुए कहा कि आज छठ पूजा का पावन पर्व भी है। वे सुबह चार बजे से ही विभिन्न छठ घाटों पर पहुंचकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे। उन्होंने कामना की कि छठी मैया की कृपा एवं आशीर्वाद सभी श्रद्धालुओं पर सदैव बना रहे। अंत में सांसद विजय बघेल ने सभी श्रद्धालुओं की यात्रा मंगलमय एवं सुखद होने की कामना करते हुए कहा कि आप सभी प्रभु श्रीरामलला का आशीर्वाद प्राप्त कर सकुशल वापस लौटें। इस आत्मीय स्वागत एवं शुभकामनाओं से श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।



आंवला नवमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया

महिलाओं ने आंवला वृक्ष की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया



थान खम्हरिया। नगर के विभिन्न वार्डों में आंवला नवमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने आंवला वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। महिलाओं ने परंपरानुसार आंवला वृक्ष के नीचे पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान किए।

इस अवसर पर श्रीमती मधु दुबे ने बताया कि आंवला नवमी हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक है। इसे अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु के साथ आंवला वृक्ष की पूजा करने का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आंवला वृक्ष में भगवान विष्णु का वास माना जाता है। इस दिन पूजा-अर्चना, दान-पुण्य एवं जरूरतमंदों की सेवा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।



उन्होंने बताया कि आंवला वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करना और ब्राह्मणों को दान देना भी शुभ माना जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। महिलाएं प्रतिवर्ष इस पर्व को पूरी श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाती हैं। इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से मधु यादव, अनुपम नागवंशी, कृति, लक्ष्मी, सुलोचना, सरिता देवांगन, सुनीता, राजकुमारी, रेखा, संगीता, धनेश्वरी एवं निर्मला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

धान के अवैध भंडारण पर प्रशासन की सख्ती, चंदन ट्रेडर्स से 153 बोरी अतिरिक्त धान जब्त



रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अवैध धान भंडारण और परिवहन के विरुद्ध प्रशासनिक निगरानी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में राजस्व एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने बरमकेला विकासखंड के सरिया स्थित चंदन ट्रेडर्स में जांच के दौरान अभिलेखों में दर्ज मात्रा से 153 बोरी अतिरिक्त धान पाए जाने पर जब्ती की कार्रवाई की है।

संयुक्त जांच दल ने चंदन ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान में भंडारित धान की वास्तविक मात्रा का संबंधित स्टॉक पंजी एवं उपलब्ध अभिलेखों से मिलान किया गया। जांच में दर्ज स्टॉक की तुलना में लगभग 153 बोरी धान अतिरिक्त पाया गया। इस अनियमितता पर संयुक्त टीम ने मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत अतिरिक्त धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित कारोबारी को धान के क्रय-विक्रय, भंडारण एवं स्टॉक से संबंधित अभिलेखों का नियमित और सही संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि धान के भंडारण एवं परिवहन में निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य है तथा अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गोपाष्टमी पर अग्रसेवा गौशाला में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का सैलाब

गौ माता का पूजन, छप्पन भोग, विशाल भंडारा एवं दो महत्वपूर्ण सेवा स्थलों का दानदाता परिवारों द्वारा लोकार्पण

रायपुर। भगवान श्रीकृष्ण एवं गौ माता के प्रति प्रेम, श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक पावन पर्व गोपाष्टमी 17 नवंबर 2026, मंगलवार को अग्रसेवा गौशाला, ग्राम तर्रा में अत्यंत हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर अग्रसेवा सोसायटी एवं गौशाला के आजीवन सदस्यों, दानदाताओं, गौभक्तों तथा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे गौ माता को स्नान कराकर, उनका सुंदर श्रृंगार एवं तिलक करने के पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ सामूहिक गौ पूजन से हुआ। गौ माता को पुष्प, अक्षत, गुड़ एवं हरा चारा अर्पित कर आरती की गई। उपस्थित गौभक्तों ने गौ माता के चरणों में नमन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। गौशाला प्रांगण में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण का विधिवत पूजन कर सवामणी का भोग लगाया गया। भजन गायकों द्वारा प्रस्तुत गौ माता एवं श्रीकृष्ण के मधुर भजनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

धार्मिक मान्यता है कि कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने पहली बार गायों को चराने की जिम्मेदारी संभाली थी। इसी पावन स्मृति में मनाया जाने वाला गोपाष्टमी पर्व गौ माता के प्रति प्रेम, सम्मान एवं सेवा का संदेश देता है।

दो महत्वपूर्ण सेवा स्थलों का दानदाता परिवारों द्वारा लोकार्पण

इस पावन अवसर पर गौशाला में दो महत्वपूर्ण सेवा स्थलों का लोकार्पण संबंधित दानदाता परिवारों द्वारा किया गया।

गौ आशियाना-6 का निर्माण स्व. अर्णव अग्रवाल की स्मृति में श्री रामकुमार मदनलाल अग्रवाल (चांदी वाले), रायपुर द्वारा कराया गया। वहीं सप्त गौ माता पूजन एवं परिक्रमा धाम का निर्माण स्व. श्री हरीशचंद अग्रवाल की स्मृति में श्री चिमनलाल अग्रवाल द्वारा कराया गया।

विशेष बात यह रही कि गोपाष्टमी के अवसर पर पहली बार इस परिक्रमा धाम में सात गौ माताओं का विधिवत पूजन कर इस नई परंपरा का शुभारंभ किया गया। दोनों सेवा स्थल दानदाता परिवारों की गौसेवा के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं अपने दिवंगत परिजनों की स्मृति को सेवा के माध्यम से चिरस्थायी बनाने का प्रेरणादायी उदाहरण हैं।



51 विशेष सहयोगियों के सहयोग से गौ माता को 56 प्रकार का छप्पन भोग

महोत्सव का विशेष आकर्षण 51 विशेष सहयोगियों के सहयोग से गौ माता के लिए आयोजित छप्पन भोग रहा। इस अवसर पर गौ माता के लिए 56 प्रकार की सामग्री जो गौ माता को प्रिय है, अर्पित की गई, जिसमें हरी सब्जियां, भाजी, भीगी हुई दाल, फल, खली, नेपियर घास, चोकर सहित उनके लिए उपयोगी एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री शामिल थी। सभी सामग्री श्रद्धापूर्वक गौ माता को अर्पित की गई। उपस्थित गौभक्तों ने गौशाला के अन्य गौ आश्रय शेडों (स्थल)में जाकर गौ माताओं को रोटी, गुड़, हरी सब्जियां एवं छप्पन भोग की सामग्री भी खिलाई।

विशाल भंडारे में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

कार्यक्रम में सुबह से पहुंचे गौभक्तों एवं श्रद्धालुओं के लिए संचालन समिति की ओर से स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। वहीं आसपास के सभी गांवों को आमंत्रित कर विशाल ग्राम भंडारे का आयोजन किया गया। दोपहर 12 बजे प्रारंभ हुआ भंडारा शाम 6:30 बजे तक चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अग्रसेवा सोसायटी के अध्यक्ष श्री कैलाश अग्रवाल ने बताया कि गोपाष्टमी केवल धार्मिक अनुष्ठान का पर्व नहीं, बल्कि गौ माता के प्रति प्रेम, करुणा और जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दिवस है। भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें गौसेवा की प्रेरणा देता है। अग्रसेवा सोसायटी का प्रयास है कि गौसेवा को केवल पूजा तक सीमित न रखकर गौ माता के भोजन, चिकित्सा, संरक्षण एवं सुरक्षित आश्रय के रूप में निरंतर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने सभी दानदाता परिवारों, आजीवन सदस्यों एवं गौभक्तों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। अग्रसेवा गौशाला संचालन समिति के अध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल ने बताया कि गौशाला का उद्देश्य प्रत्येक आश्रित गौ माता को उचित आहार, उपचार, सुरक्षित आश्रय एवं बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है। गोपाष्टमी पर नए सेवा स्थलों का लोकार्पण, सप्त गौ माता पूजन, छप्पन भोग एवं विशाल भंडारे में समाज की सहभागिता गौसेवा के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण का परिचायक है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने वाले सभी दानदाताओं, गौभक्तों एवं ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त किया। गोपाष्टमी का यह भव्य आयोजन गौसेवा, श्रद्धा, समर्पण एवं सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण बना। दिनभर गौशाला परिसर भगवान श्रीकृष्ण एवं गौ माता के जयकारों से गूंजता रहा।







युवा राजनीति से भरोसा खो रहे हैं?

स मय विरोध और असंतोष का है। दिल्ली और मुंबई में बेचैनी है तो यूरोप भी असंतोष की शरद ऋतु से गुजर रहा है। पेरिस में गुस्सा सुलग रहा है। जर्मनी के हैम्बर्ग में बैरिकेड जल रहे हैं। मिलान और ट्यूरिन में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़पें हैं। अल्बानिया और बेलग्रेड से लेकर केन्या और तुर्की तक युवा सड़कों पर हैं। दक्षिण एशिया में तो जनता के गुस्से ने सरकारें तक गिराई हैं। देश अलग हैं। समस्याएं अलग हैं। मगर सब जगह एक जैसी बेचैनी है। जिस पीढ़ी को अपने माता-पिता से बेहतर जीवन मिलने की उम्मीद थी, वह अब उन्हीं सत्ताधारियों से जवाब मांग रही है जिन्होंने उसे अच्छे दिनों के सपने दिखाए थे। सत्ता की प्रतिक्रिया में कुछ न्या नहीं है। सरकारें अव्यवस्था की निंदा करती हैं। टेलीविजन स्टूडियो साजिशें खोजते हैं। और हमेशा की तरह विदेशी हाथ भी बता दिया जाता है। खबरों में जलते बैरिकेड हैं। पुलिस से भिड़ते प्रदर्शनकारी हैं। युवाओं को पकड़कर पुलिस वैन में ठूंसने के दृश्य हैं। मगर यह जानने की फिक्र किसे है कि आखिर ये युवा सड़कों पर उतरे क्यों हैं? उनका गुस्सा किस बात पर है? वे किससे और क्या मांग रहे हैं?

विचित्र विरोधाभास है। वर्षों तक युवाओं को राजनीति से उदासीन बताया गया। कहा गया कि वे मोबाइल की स्क्रीन में खोए हैं। घोषणापत्रों से अधिक मीमों में उनकी दिलचस्पी है। लेकिन अब जब उसी पीढ़ी ने स्र्रीन का इस्तेमाल संगठित होने, सवाल पूछने और सत्ता को चुनौती देने के लिए शुरू किया है तो उसकी राजनीतिक जागरूकता ही चिंता का कारण बन गई है। युवा राजनीति से दूर रहें तो शिकायत और राजनीति में उतरें तो साजिश!

दरअसल, जवाब उन वादों में है जिन्हें सुनते हुए यह पीढ़ी बड़ी हुई। पढ़ाई से अवसर मिलेंगे। आर्थिक विकास से समृद्धि आएगी। तकनीक जीवन आसान बनाएगी। जेन ज़ी को विश्वास दिलाया गया कि उसका भविष्य पिछली पीढ़ी से बेहतर होगा। सरकारों ने उसकी आकांक्षाओं का उत्सव मनाया। कंपनियों ने उसमें विशाल बाजार खोजा और राजनेताओं ने उसकी भाषा बोलना सीख लिया।

मगर बड़े होने पर युवाओं ने क्या पाया? शिक्षा महंगी है, नौकरी अनिश्चित है। घर खरीदना मुश्किल है। करियर का भरोसा नहीं और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उन पेशों का भविष्य भी बदल रहा है जिनके लिए उन्होंने वर्षों पढ़ाई की। अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। शेयर बाजार रिकॉर्ड बना रहे हैं। लेकिन देश की समृद्धि और नौजवान की अपनी आर्थिक सुरक्षा के बीच फासला क्यों बढ़ रहा है?

इसमें तकनीक ने एक नई विडंबना पैदा की है। अमीरी, ऐश्वर्य और अच्छे जीवन की तस्वीरें हर समय मोबाइल पर हैं। सब कुछ दिखाई देता है, लेकिन सबकी पहुंच में नहीं है। शायद इसीलिए यह पीढ़ी भी पुराने समय का आकर्षण पाल रही है जिसने वह समय देखा ही नहीं। विनाइल रिकॉर्ड, फिल्म वाले कैमरे, हाथ से लिखे पत्र, धीमी रफ्तार की जिंदगी! इसे फैशन कह सकते हैं। मगर सोचें, जो युवा अतीत में कभी रहे ही नहीं, वे उसमें सुकून क्यों खोज रहे हैं? क्या इसलिए कि भविष्य उन्हें भरोसेमंद नहीं लगता? और असंतोष केवल आर्थिक नहीं है। राजनीति से भी मोहभंग है। केन्या में करों के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन सत्ता के विशेषाधिकारों और जवाबदेही के सवाल तक पहुंचा। तुर्की में विपक्ष पर कार्रवाई के विरोध में छात्र सड़कों पर आए। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध ने भ्रष्टाचार और राजनीतिक परिवारों के विशेषाधिकारों के खिलाफ जमा गुस्से को भड़का दिया। यूरोप में भी अलोकप्रिय नीतियों और राजनीतिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ विरोध है। हर जगह तात्कालिक कारण अलग है, लेकिन सवाल उससे बड़ा है। आखिर सत्ता किसके लिए है और किसके प्रति जवाबदेह है? भारत में यह विरोधाभास और दिलचस्प है। एक दशक से युवाओं को बताया गया कि भारत महान बनने की दहलीज पर है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, युवा आबादी का लाभ और विकसित भारत! बड़े सपने देखो। उद्यमी बनो। दुनिया से मुकाबला करो। मगर इन्हीं सपनों के बीच रोजगार की अनिश्चितता, महंगी शिक्षा, परीक्षाओं के विवाद और अवसरों के लिए निर्मम प्रतिस्पर्धा भी है। सवाल यह नहीं कि देश ने प्रगति नहीं की। सवाल है कि देश की उपलब्धियों का युवाओं के अपने जीवन से कितना मेल है? देश अमीर हो रहा हो, लेकिन उसका नौजवान अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित हो तो वह विकास को कैसे समझेगा? इतिहास में इसकी गूंज है। मई 1968 में पेरिस के छात्रों ने विश्वविद्यालयों की जकड़ी व्यवस्था और चार्ल्स द गॉल की सत्ता को चुनौती दी। मजदूर भी साथ आए। फांस हिल गया। वह विद्रोह केवल आर्थिक शिकायतों का नहीं था। समाज की आकांक्षाएं बदल चुकी थीं, लेकिन सत्ता और संस्थाएं पुराने ढर्रे पर थीं। द गॉल तत्काल संकट से बच गए, मगर उस आंदोलन ने बता दिया कि सत्ताधारी अपनी नई पीढ़ी को कितना कम समझते हैं। आज का पेरिस 1968 का पेरिस नहीं है। आज के युवाओं के पास वैसी विचारिक प्रतिबद्धता, संगठन या क्रांति का सपना भी जरूरी नहीं। तब घोषणापत्र, बौद्धिक बहस और छात्र संगठन थे। आज मीम, व्यंग्य और डिजिटल नेटवर्क हैं। एक मजाक नारा बनता है। नारा प्रदर्शन में बदलता है और प्रदर्शन कभी राजनीतिक संकट पैदा कर देता है। राजनीतिक चेतना है, मगर किसी पार्टी के प्रति स्थायी निष्ठा हो, यह जरूरी नहीं। यहीं स्थापित राजनीतिक दलों की मुश्किल है। वे मानते आए हैं कि मतदाता सरकार से नाराज होगा तो विपक्ष के पास जाएगा। लेकिन ऐसा क्यों हो? युवा सरकार को खारिज कर सकता है, बिना विपक्ष पर भरोसा किए। किसी नीति का विरोध कर सकता है, बिना किसी विचारधारा का समर्थक बने। सड़क पर उतर सकता है, बिना किसी पार्टी का झंडा उठाए। राजनीति में दिलचस्पी और राजनीतिक दलों के प्रति निष्ठा दो अलग बातें हैं। सरकारें विपक्षी पार्टियों से लड़ना जानती हैं। नेताओं पर हमले, आरोप-प्रत्यारोप, चुनावी मुकाबले, सब आजमाए हुए तरीके हैं। मगर उस गुस्से का क्या करें जो किसी पार्टी ने पैदा नहीं किया? जिसे किसी नेता के बयान से शांत नहीं किया जा सकता? उधर विपक्ष भी यह मानकर नहीं चल सकता कि सरकार के खिलाफ हर प्रदर्शन उसके समर्थन में है। संभव है कि युवा सत्ता और विपक्ष, दोनों से एक साथ सवाल कर रहे हों।

श्रुति व्यास

बदल रहा है छत्तीसगढ़, संवर रही है आदिवासियों की जिंदगी

विशेष पिछड़ी जनजातियों के गांवों तक पहुँच रही है विकास की रोशनी

धनंजय राठौर
सयुक्त संचालक,
जनसंपर्क, रायपुर

छ त्तीसगढ़ सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा की नीति के चलते पूरे छत्तीसगढ़ के वनांचलों में बदलाव की बयार बहने लगी है। वहां के वातावरण और जनजीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। विकास एवं निर्माण कार्यों में शासकीय मिशनरी के साथ-साथ आम जनता की भागीदारी बढ़ी है, जिसके चलते छत्तीसगढ़ का हर इलाका तेजी से विकास की मुख्य धारा से जुड़कर तरक्की की राह चल पड़ा है। स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पेयजल, विद्युत विकास के कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। सड़क विहीन क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ा जा रहा है, इससे शासकीय योजनाओं एवं कार्यर भों का लाभ आमलोगों तक आसान हो गया है। पीएम-जनमन पीएम-जनमन (PM-JANMAN) का पूरा नाम प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान है। यह भारत सरकार की एक विशेष योजना है जिसका उद्देश्य देश के सबसे पिछड़े और संवेदनशील विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का सामाजिक-आर्थिक विकास करना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। इस योजना का उद्देश्य पक्का और सुरक्षित आवास (प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत), स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता, बेहतर शिक्षा और स्कूल/छात्रावास, स्वास्थ्य सेवाएं और मोबाइल मेडिकल यूनिट, बेहतर पोषण (आंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए), पक्की सड़कें और दूरसंचार (रोड और टेलीकॉम) कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना, बिना बिजली वाले घरों का विद्युतीकरण, स्थायी आजीविका के अवसर और कौशल विकास (जैसे वन धन केंद्र) का अवसर प्रदान करना है।

छत्तीसगढ़ के घने वनांचलों और दूरदराज बसे गांवों में पक्की सड़क और सिर पर पक्की छत होना कभी एक अकल्पनीय सपने जैसा था। बीमारी के दिनों में मीलों पैदल चलकर अस्पताल पहुँचना एक कठिन चुनौती थी, तो वहीं बिजली, साफ पानी और बेहतर शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी हर परिवार की पहुँच से कोसों दूर थी। लेकिन आज, प्रधानमंत्री जनमन योजना के जरिए इन इलाकों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। छत्तीसगढ़ राज्य के गोंड, मुरिया, माड़िया, धुरवा, हल्बा, भतरा, दोरला, दंडामी माड़िया, कोरवा, उरांव, कंवर, बिझवार, मांझी जनजातीय समूह निवासरत हैं, इनमें से बैगा और पहाड़ी कोरवा, बिरहोर, कमार और अबूझमाड़िया जैसे विशेष पिछड़ी जनजाति (PGVT) समुदायों के घरों तक अब विकास और सम्मान की बयार पहुँच रही है। प्रदेश में इन विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों के लोगों को लाभ दिलाने हेतु प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से कार्य किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजाति के बसाहटों को चिन्हांकित कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित एवं पात्र सभी हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।



दशकों की उपेक्षा के बाद शासन की सीधी पहुँच

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों या विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र उत्थान और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। लंबे समय की भौगोलिक और सामाजिक उपेक्षा के बाद, अब शासन की सीधी पहुँच दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय गांवों तक सुनिश्चित की जा रही है। 15 नवंबर को मनाए जाने वाले जनजातीय गौरव दिवस के विशेष अवसर पर इन बदलावों का आकलन करना यह रेखांकित करता है कि कैसे यह पहल जनजातीय समुदायों को बेहतर जीवन और विकास के समान अवसर उपलब्ध करा रही है। इस योजना का मूल उद्देश्य केवल भौतिक बुनियादी ढांचा तैयार करना भर नहीं है, बल्कि दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे रहे परिवारों तक शासन को खुद चलकर पहुँचाना है।

विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवंबर 2023 में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धरातल पर इस प्रतिबद्धता के साथ उतारा गया कि देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा छत्तीसगढ़ को इसकी उत्कृष्ट सफलता के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पक्के मकान और सड़कों से सुदृढ़ होती कनेक्टिविटी



विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए छत्तीसगढ़ के श्री विष्णु देव साय की सरकार प्रतिबद्ध है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर सरकार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी आजीविका के साधनों को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इन जनजाति समूह के लोगों को व्यवसाय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर समग्र विकास करना है। योजना के तहत छत्तीसगढ़ में वनांचलों के निवासियों के लिए बड़ा बदलाव आया है। राज्य में विशेष पिछड़ी जनजातियों के 34,691 पक्के मकान स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 24,218 (लगभग 69 प्रतिशत) मकानों का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। इससे उन परिवारों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है जो कभी कच्चे या झोपड़ीनुमा घरों में रहने को विवश थे। गांवों को मुख्यमार्गों और बाजारों से जोड़ने के लिए 2,901 किलोमीटर लंबी सड़कों को मंजूरी दी गई, जिसमें से 1,833 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय आजीविका के रास्ते सुगम हुए हैं। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से जनजातीय युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं।



बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

दूरस्थ वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय बस्तियों में सौर ऊर्जा और ऑन-ग्रिड बिजली के माध्यम से रोशनी पहुंचाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में टॉवर फीडर और ट्रांसफार्मर स्थापित कर हजारों परिवारों को शत-प्रतिशत बिजली कनेक्शन से जोड़ा गया है। जल जीवन मिशन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के हजारों घरों तक पाइपलाइन के जरिए शुद्ध और स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा रहा है, जिससे उन्हें दूर से पानी लाने या झिरिया का अशुद्ध पानी पीने की मजबूरी से मुक्ति मिल रही है।

पूरा हो महिलाओं से किया गया वादा

स ंसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन संबंधी विधेयक को पारित करने की सरकार की तैयारी संबंधी खबरों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। यदि ये विधेयक पारित हो जाते हैं तो मोदी सरकार केवल लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने में ही सफल नहीं होगी, बल्कि राजनीतिक माहौल को बदलने और उसे अपने पक्ष में भी करने में सक्षम होगी। इसके पहले इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण संविधान विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रही, क्योंकि एक तो संविधान संशोधन विधेयक होने के नाते दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी और दूसरे कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए। अब हालात बदले दिख रहे हैं, क्योंकि द्रमुक कांग्रेस से नाता तोड़ चुकी है और तृणमूल कांग्रेस भी टूट हो चुकी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के भी आठ राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो चुके हैं। शिवसेना उद्धव गुट के कई लोकसभा सदस्य एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ चले गए हैं और शरद पवार की एनसीपी भी अपने रुख में बदलाव के संकेत दे रही है। वैसे तो सरकार ने संसद के मानसून सत्र में भी महिला आरक्षण और परिसीमन संबंधी विधेयक पारित कराने के संकेत दिए थे, लेकिन यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसके चलते सरकार ये विधेयक सदन में लाई ही नहीं, लेकिन उसने सत्रावसान भी नहीं किया। ऐसा इसीलिए नहीं किया, ताकि कभी भी विशेष सत्र बुलाया जा सके। माना जा रहा है कि जल्द ही ऐसा किया जा सकता है। सत्तापक्ष की मानें तो अब वह इन विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत तक पहुंच जाएगी। इस बार वह परिसीमन संबंधी विधेयक में इस बात को लिखित तौर पर शामिल करने के लिए भी तैयार है कि सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाई जाएंगी। पिछली बार यह बात विधेयक में शामिल नहीं थी और केवल आश्वासन रूप में थी। इसी कारण विपक्ष ने उसे एक मुद्दा बना लिया था। सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव इसलिए दिया जा रहा है, ताकि किसी भी राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व का प्रतिशत पहले जैसा ही रहे। कुछ राज्यों, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों की यह चिंता है कि आबादी के आधार पर होने वाला परिसीमन उनके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह होगा और एक तरह से उन्हें जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल करने की सजा मिलेगी। इसी चिंता को दूर करने के लिए सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव है। यह एक उचित प्रस्ताव है। इस पर विपक्षी दलों की आपत्ति का औचित्य समझना कठिन है। कुछ विपक्षी दलों की इस मांग का कोई अर्थ नहीं कि परिसीमन को फिर टाल दिया जाए। ज्ञात हो कि यह 50 साल से टल रहा है। लोकसभा एवं विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए हर जनगणना के बाद किए जाने वाले परिसीमन को पहली बार संवैधानिक संशोधनों के माध्यम 1976 में 25 वर्ष के लिए टाला गया और फिर दूसरी बार 2001 में भी 25 वर्ष के लिए। इसका कारण जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को सफलता से लागू करने वाले राज्यों को लोकसभा में सीटों के नुकसान से बचाना था। चूंकि आज एक लोकसभा सदस्य के लिए औसतन 20-22 लाख की आबादी तक पहुंचना भी संभव नहीं, इसलिए कांग्रेस की यह दलील भी ठीक नहीं कि मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जाए। कांग्रेस यह दलील भले ही दे रही हो, लेकिन उसके साथ अन्य विपक्षी दलों के पुराने सांसद इसके लिए शायद ही तैयार हों। यदि वे तैयार भी होते हैं तो उनके घर-परिवार की महिलाएं ही उनका स्थान ले लेंगी। इसका कोई मतलब नहीं कि वहीं हुई आबादी का प्रतिनिधित्व लगभग उतने ही सांसद करें, जितने 50 साल पहले करते थे। यह समय की मांग है कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ महिला आरक्षण लागू किया जाए। 2023 में जब महिला आरक्षण विधेयक को संसद से पारित किया गया था, तब यह कहा गया था कि नई जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन को लागू करने के उपरांत इसे 2029 में अमल में लाया जाएगा। कोविड महामारी के कारण जनगणना टालनी पड़ी।



यदि वह अगले वर्ष तक हो भी जाती है तो परिसीमन का 2029 के पहले होना संभव नहीं। ऐसे में 2029 तक महिला आरक्षण लागू करने के लिए इससे संबंधित कानून में संशोधन करना आवश्यक है। इसमें सभी विपक्षी दलों को इसलिए सहयोग देना चाहिए, क्योंकि महिला आरक्षण विधेयक दोनों सदनों से सर्वसम्मति से पारित हुआ था। सत्तापक्ष के साथ विपक्ष को भी देश की आधी आबादी से किया गया अपना वादा पूरा करना ही चाहिए। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से देश का राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक माहौल भी बदलेगा। जब महिलाओं को राजनीति में भागीदारी बढ़ती है तो सामाजिक समस्याओं के समाधान में विशेष रुप से मदद मिलती है, क्योंकि वे महिलाओं, बच्चों से जुड़े मुद्दों पर अधिक संवेदनशील होती हैं।

- संजय गुप्त

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, सहभागिता और विकास को मिल रही प्राथमिकता

जनजातीय अंचलों का सर्वांगीण विकास ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला

श्री सुनील त्रिपाठी
(सहायक संचालक, जनसंपर्क)

जनजातीय गौरव दिवस भगवान बिरसा मुंडा सहित उन महान जननायकों के संघर्ष, साहस और स्वाभिमान को स्मरण करने का अवसर है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता, संस्कृति और प्रकृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, अपनी परंपराओं पर गर्व करने और समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। यह दिवस जनजातीय समाज के योगदान को नमन करने के साथ उनके सम्मान, अधिकार और विकास के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर भी है।

छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति से गहरे जुड़ाव से है। बस्तर से सरगुजा तक फैले जनजातीय अंचल प्रदेश की आत्मा हैं। इन क्षेत्रों का विकास केवल सुविधाएं पहुंचाने तक सीमित नहीं है। विकास की योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुरूप बनें, जनजातीय समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो और उसकी संस्कृति तथा पहचान सुरक्षित रहते हुए हर परिवार को आगे बढ़ने के अवसर मिलें, यही विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, कल्याण और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। दूरस्थ अंचलों तक शासन की योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने, गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और युवाओं के लिए अवसर तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनजातीय समाज की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को योजनाओं के निर्माण और रि यान्वयन में स्थान मिल रहा है।

बजट से विकास को गति

वर्ष 2026-27 के बजट में अनुसूचित जनजाति वर्ग के विकास के लिए आदिवासी उपयोजना मद में 34 प्रतिशत राशि का प्रावधान किया गया है। यह जनजातीय अंचलों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली, सिंचाई, आजीविका और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में बजट संसाधनों को विकास की प्राथमिकताओं से जोड़ने और योजनाओं का लाभ गांव तथा परिवार तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क और संचार सुविधाओं का विस्तार गांवों को बाजार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ता है। सिंचाई और पेयजल जीवन को सहज बनाते हैं, जबकि कौशल विकास, कृषि, वनोपज और स्थानीय उद्यमों से जुड़े अवसर परिवारों की आय बढ़ा सकते हैं। योजनाओं का चयन क्षेत्र की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर करना और उनका लाभ पारदर्शी ढंग से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

आवास से सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन

हर परिवार का अपना सुरक्षित घर हो, यह सम्मानजनक जीवन की बुनियाद है। जनजातीय अंचलों में किफायती आवास उपलब्ध कराने और आवासीय परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका है। आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के विभागीय नेतृत्व में आवास के साथ सड़क, बिजली, पानी और अन्य जरूरी सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय जरूरतें अलग-अलग हैं। इसलिए आवास योजनाओं को वहां की परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ाना आवश्यक है। पक्का घर बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण देता है, महिलाओं और बुजुर्गों को सुरक्षा प्रदान करता है तथा परिवार को स्थायित्व का भरोसा देता है। दूरस्थ अंचलों तक आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



बजट, आवास, सुगम पंजीयन, सरल कर व्यवस्था और बैंकिंग सुविधाओं से सशक्त हो रहे दूरस्थ क्षेत्र

सरल पंजीयन से नागरिकों और उद्यमियों को सुविधा

पंजीयन व्यवस्था में पारदर्शिता, सरलता और तकनीक का उपयोग आम नागरिकों के समय और संसाधनों की बचत करता है। पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में भूमि और संपत्ति से जुड़े कार्यों को अधिक सुगम बनाने, प्रि याओं को स्पष्ट रखने और नागरिकों को बेहतर सेवा देने की दिशा में सुधार किए जा रहे हैं। महिला खरीदारों के लिए पंजीयन शुल्क में कमी जैसे निर्णयों से संपत्ति खरीदना अधिक किफायती हुआ है। जनजातीय क्षेत्रों के नागरिकों को भी पंजीयन संबंधी सेवाएं सहजता से उपलब्ध हों, यह जरूरी है। स्थानीय उद्यम, महिला समूह और छोटे कारोबार जब संपत्ति तथा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ी प्रि याएं आसानी से पूरी कर पाते हैं, तो उनकी आर्थिक भागीदारी को बल मिलता है। सरल और भरोसेमंद व्यवस्था शासन पर लोगों का विश्वास बढ़ाती है तथा विकास के अवसरों तक उनकी पहुंच आसान करती है।

जीएसटी और स्थानीय आर्थिक गतिविधियां

जीएसटी व्यवस्था कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी और एकीकृत बनाने का माध्यम है। जनजातीय अंचलों में छोटे व्यापारियों, कारीगरों, लघु उद्यमों और वनोपज से जुड़े कारोबारियों को नियमों की जानकारी तथा प्रक्रियाओं को समझने में सहयोग मिलना चाहिए। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के नेतृत्व में कर प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता से छोटे कारोबारी औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़कर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं।

स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, कृषि उपज और वनोपज का मूल्य संवर्धन तथा बाजारों तक बेहतर पहुंच जनजातीय परिवारों की आय बढ़ा सकती है। छोटे कारोबारियों के लिए कर संबंधी प्रि याओं को समझना आसान बनाना और उन्हें सहयोगी व्यवस्था उपलब्ध कराना इस दिशा में महत्वपूर्ण है।

योजना और आंकड़ों से जरूरतों की पहचान

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की भूमिका विकास की जरूरतों को समझने और योजनाओं को बेहतर दिशा देने में अहम है। मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के विभागीय दायित्वों के अंतर्गत विश्वसनीय आंकड़ों और क्षेत्रीय जानकारी के आधार पर यह पहचानने पर जोर है कि किन गांवों में सड़क, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, पेयजल, बैंकिंग या रोजगार के अवसरों की अधिक आवश्यकता है। सही जानकारी पर आधारित योजना से संसाधनों का उपयोग प्रभावी होता है और विकास का लाभ उन क्षेत्रों तक पहुंचता है जहां उसकी सबसे अधिक जरूरत है। जनजातीय अंचलों के विकास की योजना बनाते समय स्थानीय समुदायों के अनुभव और प्राथमिकताओं को भी महत्व देना जरूरी है।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्हेरा में धूमधाम से मनाई गई आंवला नवमी

आंवले के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर बच्चों को दिया स्वास्थ्य, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण का संदेश, विद्यालय परिसर में लगाए गए पांच पौधे

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया



थान खम्हरिया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर मनाया जाने वाला आंवला नवमी (अक्षय नवमी) का पर्व शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्हेरा में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने आंवले के वृक्ष की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रकृति, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह प्रार्थना सभा से हुई। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में स्थित आंवले के वृक्ष के नीचे सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी एकत्रित हुए। उन्होंने जल, रोली, अक्षत एवं पुष्पमाला अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा वृक्ष की परिक्रमा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक शाला की प्रधान पाठिका श्रीमती आरती पांडे ने की। उन्होंने बच्चों को बताया कि आंवला नवमी केवल धार्मिक पूजा का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला पर्व भी है। मिडिल स्कूल कन्हेरा के श्री चौवन सिंह वर्मा ने आंवला नवमी के पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए भगवान विष्णु एवं माता लक्ष्मी से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं की जानकारी दी। श्रीमती पुष्पा साहू ने आंवले के औषधीय गुणों के बारे में बताते हुए इसे विटामिन-सी का अच्छा स्रोत बताया तथा स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए इसके महत्व को समझाया।

श्री प्रवीण कुमार वर्मा ने बच्चों को आंवला खाने के लिए प्रेरित करते हुए आंवले से बनने वाले मुरब्बा, अचार एवं च्यवनप्राश की जानकारी दी। श्रीमती पुष्पा साहू ने पूजा की संपूर्ण व्यवस्था संभालते हुए बच्चों को पूजा विधि सिखाई। श्रीमती ऊषा मानिकपुरी ने आंवले के वृक्ष के नीचे बैठकर भोजन करने की धार्मिक एवं पारंपरिक मान्यता के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन श्री टोपलाल गेडरे ने किया। उन्होंने बच्चों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करते हुए एक बच्चा-एक पेड़ लगाने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। अंत में श्री अहिमन सिन्हा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया तथा बच्चों को प्रसाद वितरित किया।

बच्चों ने लिया पौधरोपण का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने आंवले का प्रसाद ग्रहण किया और अपने जीवन में आंवले का पौधा लगाने एवं उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया। शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से विद्यालय परिसर में पांच आंवले के पौधों का रोपण भी किया गया। आयोजन में ग्रामीणों एवं पालकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। इस प्रकार विद्यालय में आयोजित आंवला नवमी का पर्व विद्यार्थियों के लिए धार्मिक आस्था के साथ स्वास्थ्य, भारतीय संस्कृति, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण की सीख देने वाला प्रेरणादायक आयोजन साबित हुआ।

एक नजर

गोपाष्टमी पर सुरभि गोधाम में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ हुआ गौपूजन एवं अन्नकूट प्रसादी का आयोजन

भाटापारा। गोपाष्टमी के अवसर पर सुरभि गोधाम समिति द्वारा गौपूजन एवं अन्नकूट प्रसादी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा, संत रामरूप दास महात्यागी, पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। उक्त अवसर पर शिवरतन शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि गोपाष्टमी हमारी सनातन संस्कृति और भारतीय परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। भारतीय संस्कृति में गौमाता को केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन में भी विशेष स्थान प्राप्त है। गौमाता की सेवा और संरक्षण हमारी प्राचीन परंपरा के साथ-साथ हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं सेवा के लिए आगे आना चाहिए।



कांग्रेस भवन में इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई



भाटापारा। स्थानीय कांग्रेस भवन में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। उक्त अवसर पर देश हित में किये गये उनके योगदान को उपस्थित लोगो ने याद करते हुए उन्हें महान नेता बताया। उपरोक्त अवसर पर कार्यक्रम में विधायक इन्द्र साव, राजकुमार शर्मा, सुशील शर्मा, दिवाकर मिश्रा, अजय ठाकुर, प्रेमलता दुबे, मुकेश साहू, अशोक ध्रुव, सचिन्द्र शर्मा, अय्यूब बाटिया, ओमप्रकाश यदु, पुनीत मानिकपुरी, मनमोहन कूर्रे, नवीन बख्शा, मोहन निषाद, प्रमेंद्र तिवारी, विमल शर्मा, गिरीश पारप्पानी, शेष नारायण यदु, विजय महिलांगे, आकिब मेमन, दानी भाट, पूर्णिमा श्रीवास, हंसराज बंसल, ऋषभ जोशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

महामाया धान की आवक बढ़ी, किसान सोसायटी की अव्यवस्था के बाद मंडी पहुंच रहे हैं

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में इन दिनों धान व उन्हारी उपज की आवक गांव गांव में सोसायटी द्वारा धान खरीदी में व्यवस्था संपूर्ण रूप से नही बनाये जा सकने के कारण किसान अपनी उपज बेचने कृषि उपज मंडी में पहुंच रहे हैं। जिससे अन्य दिनों की तुलना में मंडी की आवक बढ़ी है। इसके बावजुद शहर व क्षेत्र में मिलर्स धान लगभग पांच सौ से अधिक राईस व पोहा मिल संचालको को अपने मिल संचालन के लिए दुर दुर तक दौड़कर धान लाना पड़ रहा है मिलर्स धान खरीदने रायगढ़ ,अंबिकापुर , सरगुजा, पेंड्रा, सारंगगढ़, बिलाईगढ़, चन्द्रपुर , पामगढ़, बेमेतरा, सांड़ा, राजीम सहित अन्य क्षेत्र तक दौड़ लगाकर महंगे परिवहन के साथ धान की व्यवस्था कर रहे है इस बीच प्रदेश में धान खरीदी शुरू होने के बाद जगह जगह बैरियर लगाये जाने के कारण आवक मांग के अनुरूप कमजोर है। धान व उन्हारी के भाव में भारी तेजी का माहौल बना हुआ है मंडी प्रांगण में गुरूवार को महामाया नया धान 2935 रूपयें प्रति क्विंटल के ऊंचे भाव में बिका वही महामाया ईनिम धान भी 2907 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया। वहीं श्रीराम ईनिम धान 4646 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। महामाया पुराना धान 2750 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया है। प्रांगण में मोटा रगडा धान भी अच्छे भाव में बेचा गया और वह 2287 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। महामाया पुराना धान 2700 रूपयें प्रति क्विंटल बेचा गया। इसी तरह प्रांगण में गेंहू 2465 रूपयें प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया। चना 7552 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। तिवरा 3533 रूपयें प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया। राहर को भी पर्याप्त दाम मिला और वह 9160 रूपयें प्रति क्विंटल के ऊंचे भाव में बिक गया। बटरी भी 3816 रूपयें प्रति क्विंटल के सम्मान जनक भाव में बिक गया। इस तरह मध्यम आवक के बावजुद भाटापारा मंडी में किसानों को उनकी उपज का जबरदस्त भाव प्राप्त हो रहा है।



कलार समाज ने उत्साह के साथ मनाया सहस्त्रबाहु जयंती



भाटापारा। डडसेना कलार समाज द्वारा सहस्त्रबाहु जयंती कलार समाज भवन में उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर भाजपा नेता अश्वनी शर्मा व राजा जायसवाल उपस्थित थे। संपूर्ण कार्यक्रम में कलार समाज के सुरेश सिन्हा सोमेश सिन्हा, संतोषी सिन्हा, किर्तन जायसवाल, आशा जायसवाल, गोमती जायसवाल, कुसुम जायसवाल, गीता जायसवाल, रानी सिन्हा, टिकाराम जायसवाल, छत्रु लाल जायसवाल, सुखनंदन लाल गजेन्द्र, भरतलाल जायसवाल, रामचंद जायसवाल, भूनेश्वर जायसवाल, रामलाल जायसवाल, तेजकुमार जायसवाल, जनकराम जायसवाल सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विशाल भंडारा का आयोजन हुआ।

भाटापारा में 22 नवंबर को निकलेगा भव्य नगर कीर्तन

भाटापारा। गुरूनानक देव के पावन प्रकाश पर्व पर आगामी 22 नवंबर को शहर में भव्य नगर कीर्तन का आयोजन किया गया है। नगर किर्तन दोपहर 1 बजे हटरी बाजार स्थित गुरूद्वारा, गुरूसिंग सभा से प्रारंभ होगी। जिसमें गुरूग्रंथ साहेब की छत्रछाया एवं पंज प्यारे साहिबान की अगुवाई में नगर कीर्तन पूर्ण खालसाई शान, सिख मर्यादा एवं अनुशासन के साथ निकलेगा। नगर कीर्तन का मार्ग हटरी बाजार गुरूद्वारा से प्रारंभ होकर झुलेलाल मंदिर, बस स्टैण्ड चौक, सती मंदिर मार्ग , जैन मंदिर , पंचायती मंदिर , गोविंद चौक, सदर बाजार, राम सराह चौक, जय स्तंभ चौक, अस्पताल चौक, विश्राम गृह मार्ग से रेलवे स्टेशन होते हुए शहर थाना के सामने वाले मार्ग से गुरूद्वारा पहुंचेगी। उपरोक्त अवसर पर नगर कीर्तन में गुरू बाणी कीर्तन , सिमरन एवं गुरू साहेब की शिक्षाओं का संदेश दिया जायेगा। साथ ही खालसाई शौर्य एवं गौरव के प्रतीक गतका दल द्वारा आकर्षक एवं रोमांचक प्रदर्शन किया जायेगा। गुरूद्वारा गुरू सिंग सभा प्रबंधक कमेटी ने सभी धर्म प्रेमियों व संगत से अपील की है कि वे उक्त अवसर पर उपस्थित होकर गुरूबाणी कीर्तन एवं सिमरन का लाभ प्राप्त करें।



सांसद विजय बघेल ने फीता काटकर किया 'हमर छत्तीसगढ़-हमर धरोहर' प्रदर्शनी का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोककला और जनजातीय विरासत को प्रदर्शनी में किया गया प्रदर्शित



ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया



थान खम्हरिया। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी 'हमर छत्तीसगढ़हुहमर धरोहर' का शुभारंभ दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, लोककला, जनजातीय विरासत, खान-पान एवं ऐतिहासिक धरोहरों को प्रदर्शित करने के इस प्रयास की सराहना की।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और विशिष्ट जीवनशैली में समाहित है। हमारी युवा पीढ़ी को अपनी माटी, संस्कृति और विरासत से जोड़ने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला, लोकजीवन, खान-पान, वेशभूषा, हस्तशिल्प एवं विभिन्न सांस्कृतिक विशेषताओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश की विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने और समझने का अवसर मिल रहा है।

उल्लेखनीय है कि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी 19 एवं 20 नवंबर 2026 को बीआईटी, दुर्ग में आयोजित की जा रही है। प्रदर्शनी का समय दोपहर 12:30 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित है।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने विश्वविद्यालय परिवार को इस सराहनीय आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं को व्यापक पहचान मिलती है तथा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ती है।

मुख्यमंत्री साय से मिले साजा विधायक ईश्वर साहू, दीपावली की दी शुभकामनाएं

प्रदेश के विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर हुई चर्चा



ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। साजा विधायक ईश्वर साहू ने मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों के बीच प्रदेश के विकास, जनकल्याण एवं शासन की विभिन्न योजनाओं को लेकर चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने दीपावली के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री के सुखमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सुशासन, विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।



थान खम्हरिया में पागल कुत्ते का आतंक, एक ही दिन में 14 लोगों को काटकर किया घायल

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एक पागल कुत्ते का आतंक देखने को मिला। मंगलवार को एक भूरे रंग के कुत्ते ने अलग-अलग स्थानों पर हमला कर एक ही दिन में 14 लोगों को काटकर घायल कर दिया। कुत्ते के अचानक लोगों पर हमला करने से नगरवासियों में भय और दहशत का माहौल है। घटना के बाद सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थान खम्हरिया पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार कर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाया गया।

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह से ही कुत्ता नगर एवं आसपास के गांवों में घूम-घूमकर लोगों को अपना शिकार बनाने लगा। कुत्ते ने राहगीरों, घरों के बाहर बैठे बुजुर्गों तथा साइकिल से जा रहे बच्चों और युवकों पर अचानक हमला किया। इस घटना में 6 वर्ष के बच्चे से लेकर 65 वर्ष तक के बुजुर्ग घायल हुए हैं। एक साथ 14 घायलों के अस्पताल पहुंचने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कुत्ते के हमले में घायल 14 लोगों के नाम एवं पते

- गोपाल वैष्णव (26 वर्ष) - भैंसबोड़ (कवर्धा)।
- फहीम खान (33 वर्ष) - थान खम्हरिया।
- दीपक यादव (12 वर्ष) - हरदी।
- अरमान बेग (32 वर्ष) -थान खम्हरिया।
- जयप्रकाश (10 वर्ष) - टिपनी।
- वृंदन सिन्हा (51 वर्ष) - थान खम्हरिया।
- दिलहरण (35 वर्ष) - खपरी।
- एतेन्द्र सिन्हा (13 वर्ष) - थान खम्हरिया।
- उहोनन्या सिन्हा (6 वर्ष) -थान खम्हरिया।
- उत्तम (14 वर्ष) - टिपनी।
- वासु साहू (12 वर्ष) - गाता पार।
- जितेंद्र शर्मा (55 वर्ष) -थान खम्हरिया।
- प्रताप पटेल (65 वर्ष) -थान खम्हरिया।
- युवांशी (10 वर्ष) - गाता पार।

सूची के अनुसार वासु साहू एवं युवांशी को जिला अस्पताल कवर्धा रिफर किया गया है। शेष घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार किया गया।

देर रात तक नहीं पकड़ा जा सका कुत्ता

घटना के बाद ग्रामीणों एवं नगरवासियों ने कुत्ते को पकड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन देर रात तक सफलता नहीं मिल सकी। बताया जा रहा है कि कुत्ता अलग-अलग क्षेत्रों में घूमकर लोगों पर हमला कर रहा है। लगातार हमलों के कारण नगर और आसपास के गांवों में लोग भयभीत हैं। एक ही दिन में 14 लोगों को कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटना ने आम नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। नगरवासियों ने नगर पंचायत एवं संबंधित प्रशासन से कुत्ते को जल्द पकड़ने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उक्त जानकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. ओमप्रकाश साहू ने दी। प्रकाशन से पहले क्रमांक 9 के नाम की वर्तनी अस्पताल की सूची से मिलान कर लें।



6 साल के बच्चे से लेकर 65 वर्षीय बुजुर्ग तक बने शिकार, दो घायलों को जिला अस्पताल कवर्धा किया गया रेफर; नगर एवं आसपास के गांवों में दहशत



नकली सोना को असली बताकर बेचने वाले गये जेल

ब्यूरोचीफ संतोष साहू







भाटापारा। शहर से 6 किलोमीटर दुर ग्राम सिनोधा में एक व्यक्ति द्वारा दुसरे अन्य 19 वर्षीय युवक को प्रलोभन देते हुए सस्ते रेट में सोना देने की बात कहकर ठगी करने का मामला सामने आया है। उपरोक्त संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिनोधा निवासी उमेश द्वारिका वर्मा ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई है कि गत दिनों गांव के ही राहुल यदु ने फोन करके उसे बताया कि ग्राम गोरदी निवासी पोषनगिरी गोस्वामी कच्चा सोना बेच रहा है। इस फोन के बाद पोषनगिरी गोस्वामी ने उमेश वर्मा को ग्राम सोनवरसा के पास मिलने के लिए बुलाया उस वक्त लगभग रात के 9 बज चुके थे। इस बीच गोस्वामी ने उमेश वर्मा को तालाब के पास सोने जैसा दिखने वाला एक टुकड़ा दिखाकर उससे 20 हजार रूपयें नगद प्राप्त कर लिया। दुसरे दिन सुबह उमेश वर्मा ने जब थुप में अच्छी तरीके से उस सोने को देखा तब ज्ञात हुआ कि वह असली सोना नही है बल्कि पुरी तरह नकली सोना है। इस बात से वाकिफ होने के बाद उमेश वर्मा ने पोषनगिरी गोस्वामी से अपने पैसे वापस मांगे जिसपर गोस्वामी ने वर्मा को धमकाते हुए पैसा वापस देने से मना कर दिया। इस बात की रिपोर्ट उमेश वर्मा द्वारा थाना में किये जाने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए पोषनगिरी गोस्वामी की तलाश शुरू की जिसमें पुलिस को पोषनगिरी गोस्वामी मिल गया। पूछताछ के दौरान गोस्वामी ने अपने साथ मौसम दास महिलांगे के साथ मिलकर इस ठगी की वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की जिसपर पुलिस ने मौसम दास महिलांगे को भी धर दबोचा। पुलिस ने गोस्वामी की निशानदेही पर ठगी की गई रकम में से 8,500 रूपयें नगद एवं नकली सोने का टुकड़ा जब्त कर लिया है। पकड़े गये ठग पोषनगिरी गोस्वामी निवासी ग्राम गोरदी तथा मौसम दास महिलांगे निवासी ग्राम परसाधर वलौदाबाजार के विरूद्ध धारा 318(4),3(5), भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। व उपरोक्त दोनो ठगो को न्यायाधीक रिमांड पर ज़ेल दिया गया है।

भाटापारा शहर में हाईटेक बस स्टैण्ड निर्माण की मांग

बस स्टैण्ड के अभाव में यात्री सड़क पर ही बसों में चढ़ व उतर रहे है

भाटापारा। प्रदेश की सबसे बड़ी व सबसे पुरानी नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत नागरिक सुविधाओं के लिए कोई बेहतर व बड़े विकास के कार्य नही होने से लोगो में नाराजगी का वातावरण बनने लगा है। आमतौरपर शहर में एक व्यवस्थित हाईटेक बस स्टैण्ड की मांग अब तक पूर्ण नही होने से लोगो में भारी नाराजगी व्याप्त है। खासकर भाटापारा से मुंगेली, बिलासपुर, पथरिया, सरगांव, बैतलपुर, नारायणपुर, करहीबाजार , मोपका, धनेली, खरोरा, भटठेरा, हिरमी, सुहेला, नांदघाट, लिमतरा, कुरा, संबलपुर,मुंगबाय - मुंगेली , मठ मल्दा, अर्जुनी वलौदाबाजार सहित अन्य मार्गो पर बड़ी तादाद में सड़क मार्ग की ओर यात्रा करने वाले तमाम यात्रियों को नगर में सुविधाजनक बस स्टैण्ड नही मिलने के कारण खुले आसमान के नीचे धुप व बारिश की मार सहते हुए सड़क पर इधर उधर खड़े रहकर बस का इंतजार करना पड़ता है। वहीं तमाम मार्गो पर दुर दराज स्थानों से आने वाली बसो की सवारी को सड़क पर ही खतरनाक ढंग से उतारने का काम चल रहा है। जिससे कभी भी गंभीर हादसा संभावित है। एक लंबे समय से नगरवासी शहर में हाईटेक बस स्टैण्ड निर्माण की मांग करते आ रहे है लेकिन किसी भी राजनेताओं द्वारा इस दिशा में समुचित व ठोस प्रयास नही किये जाने से लोगो में आक्रोशन पनप रहा है। सड़क मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को समुचित बस स्टैण्ड व प्रतिक्षालय नही मिलने से वे किसी भी होटल, पान ठेला की आड़ में खड़े होकर बस आने जाने का इंतजार करते रहते है। सबसे ज्यादा परेशानी महिला बस यात्रियों को उठानी पड़ती है। खासकर लघु शंका व दीर्घशंका करने की सुविधा उपलब्ध नही होने से लोग लज्जा जनक स्थिति से गुजरते हुए नित्य क्रिया करने विवश है। भाटापारा से कई छोटे छोटे शहर व कस्बो को हाईटेक बस स्टैण्ड की सौगात शासन द्वारा प्रदान कर दी गई है। लेकिन प्रदेश के सांतवे सबसे बड़े आबादी वाले भाटापारा शहर को हाईटेक बस स्टैण्ड का ना मिलना क्षेत्र की उपेक्षा का सबसे बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

जबकि अब भाटापारा से दुसरे राज्यो के लिए भी बसों का संचालन पर्याप्त सवारी के साथ हो रहा है खासकर भाटापारा से पुणे, भाटापारा से नागपुर, भाटापारा से वनारस व अन्य दुसरे राज्यो की ओर बसों का संचालन हो रहा है। और बड़ी तादाद में महानगरों की ओर काम की तलाश में जाने वाले ग्रामीण एवं पर्यटन के लिए जाने वाले यात्री उक्त बसों में भाटापारा से ही सवार हो रहे है। उसके बावजुद शहर में व्यवस्थित बस स्टैण्ड का न होना शर्मसार करने वाला विषय है।

शिवरतन शर्मा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को सम्मानित किया



भाटापारा। वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा ने राम सागर वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सम्मान समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने स्मृति चिन्ह उंटकर कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया। उपरोक्त अवसर पर उन्होंने शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य के साथ साथ लोगो को सामाजिक एवं पारिवारिक रूप से जागरूक करना है। इसी परिपेक्ष्य में माताओं, शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से तमाम ऐसी जानकारी व सुविधाएं उपलब्ध कराये जा रहे है कि माता के साथ साथ शिशु भी स्वस्थ्य रह सके। सरकार की मंशा है कि बच्चो का समग्र विकास आंगनबाड़ी केन्द्रो के जरिये आगे बढ़े इसके लिए तमाम आंगनबाड़ी केन्द्रो को सुविधा संपन्न व सशक्त बनाने के कार्य लगातार किये जा रहे है। उपरोक्त अवसर पर बड़ी संख्या में अनेक राजनेता, कार्यकर्ता, वार्डवासी एवं माता बहने उपस्थित थे।

निधन - शीला भोई



भाटापारा। नयागंज वार्ड निवासी विशेषर जेंई की पत्नि शीला भोई का निधन हो गया वे पूर्व पार्षद सुरज भोई की भाभी थी। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

अवैध शराब के साथ पुलिस ने एक युवक को दबोचा



भाटापारा। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के सख्त निर्देश के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध कारोबार में लिप्त लोगो के विरूद्ध चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान में पुलिस गश्त दल ने महासती वार्ड में घेराबंदी कर सरजान उर्फ छोटू गेन्ड्रे निवासी महासती वार्ड को पकड़ा है। उसके कब्जे से अवैध रूप से रखे गये देशी मसाला शराब, अंग्रेजी बीयर सहित कुछ अन्य ब्रांड जब्त किये गये है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 15,600 रूपयें है। पुलिस ने गेन्ड्रे के विरूद्ध आबकारी अधिनियम 34 (2) के तहत कार्यवाही की है।

पिछड़ा वर्ग के विकास हेतु योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं



रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त आर. एस. विश्वकर्मा ने कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग सहित सभी पात्र हितग्राहियों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वरोजगार और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। श्री विश्वकर्मा ने आज गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर शासकीय योजनाओं, विकास कार्यों और विभागीय गतिविधियों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

कमजोर आवक के बावजूद भाटापारा मंडी में धान व उन्हारी मंहगे दाम पर बिके

ब्यूरोचीफ संतोष साहू



भाटापारा। प्रदेश की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में इन दिनों धान व उन्हारी उपज की आवक गांव गांव में सोसायटी द्वारा धान खरीदी के कारण पुरी तरह कमजोर पड़ गई है जिसके कारण शहर व क्षेत्र में स्थित लगभग पांच सौ से अधिक राईस व पोहा मिल संचालको को अपने मिल संचालन के लिए दुर दुर तक दौड़कर धान लाना पड़ रहा है मिलर्स धान खरीदने रायगढ़, अंबिकापुर , सरगुजा, पेंड्रा, सारंगगढ़, बिलाईगढ़, चन्द्रपुर , पामगढ़, बेमेतरा, सांझा, राजीम सहित अन्य क्षेत्र तक दौड़ लगाकर महगे परिवहन के साथ धान की व्यवस्था कर रहे है इस बीच प्रदेश में धान खरीदी शुरू होने के बाद जगह जगह बैरियर लगाये जाने के कारण आवक कमजोर हो गई है। मंडी में कम रूप से आ रही धान व उन्हारी के भाव में इसी वजह से भारी तेजी का माहौल बना हुआ है मंडी प्रांगण में सोमवार को महामाया नया धान 3077 रूपयें प्रति क्विंटल के उंचे भाव में बिका वही महामाया ईनेम धान भी 3054रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया । वहीं श्रीराम ईनेम धान 4670 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका । एचएमटी ईनेम धान 3160 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बेचा गया है । विष्णुभोग ईनेम को भी अच्छा भाव प्राप्त हुआ और वह 6976 रूपयें प्रति क्विंटल के उच्च भाव में बिका । प्रांगण में मोटा रगजा धान भी अच्छे भाव में बेचा गया और वह 2372 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका । महामाया पुराना धान 2700 रूपयें प्रति क्विंटल बेचा गया। इसी तरह प्रांगण में गेंहू 2465 रूपयें प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया। चना 7412 रूपयें प्रति क्विंटल के भाव से बिका। तिवरा 3500 रूपयें प्रति क्विंटल के दर पर बेचा गया। मसुर 5300 रूपयें प्रति क्विंटल के अच्छे भाव में बिकने से किसान खुश हुए। राहर को भी पर्याप्त दाम मिला और वह 8901 रूपयें प्रति क्विंटल के उंचे भाव में बिक गया। बटरी भी 3650 रूपयें प्रति क्विंटल के सम्मान जनक भाव में बिक गया। इस तरह बरसात में कमजोर आवक के बावजुद भाटापारा मंडी में किसानों को उनकी उपज का जबरदस्त भाव प्राप्त हुआ है।

एक नजर

भाटापारा का विकास ठप्प, विकास के लिए कोई बड़ी सौगात नहीं मिलने से लोग निराश

भाटापारा। विधानसभा क्षेत्र को पिछले कुछ वर्षो से केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विकास के मामले में उपेक्षित रखा गया है। जिससे क्षेत्र वासियों में नाराजगी का भाव व्याप्त हो रहा है। शहर व क्षेत्र में विकास की कोई भी बड़ी योजना की स्वीकृति नही मिलने से क्षेत्र की जनता मायुस है। खासकर शासन द्वारा की गई घोषणा के बावजुद लोरमी मुंगेली, नांदघाट, लिमतरा होकर भाटापारा की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाये जाने की घोषणा पर रत्तीभर कार्य घोषणा से आगे नही बढ़ पाया है। इसी तरह शहर में नालंदा परिसर का भी अता पता नही है। कुछ इसी प्रकार शासन द्वारा घोषणा के बावजुद भाटापारा - बिलासपुर सड़क मार्ग पर शिवनाथ नदी सेमरिया घाट में 55 वर्षीय पुराने जर्जर पुल के स्थान पर उच्च स्तरीय नये पुल निर्माण की घोषणा भी आज तक अधुरी है। जिससे क्षेत्र वासियों में रोष व्याप्त है। इसी तरह केन्द्र शासन द्वारा भी भाटापारा क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की जा रही है। आजादी के लगभग 80 वर्ष बाद भी शहर में डाक घर का स्वयं का भवन निर्माण अब तक स्वीकृत नही किया गया है। जिसके कारण वर्तमान में डाक घर एक किराये के मकान पर तीसरी मंजिल में संचालित हो रहा है। जहां उम्र दराज व वृद्ध व्यक्ति डाक घर तक नही पहुंच पा रहे है । ऊंची मंजिल में डाक घर संचालित होने से लोगो को आना जाही में परेशानी व दिक्कतो से जुझना पड़ रहा है। जनहित में भाटापारा में केन्द्र सरकार डाक घर भवन निर्माण की तत्काल स्वीकृति देवे । इसके लिए क्षेत्रिय सांसद को पहल करना चाहिए। इसी तरह पिछले सात वर्षो से भाटापारा रेलवे स्टेशन में एक भी यात्री ट्रेनों का ठहराव नही दिया गया है। जबकि पिछले सात वर्षो में ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगभग दुगुनी हो चुकी है। जनहित में महत्वपूर्ण सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेनों का भाटापारा में ठहराव कराने के लिए क्षेत्रिय सांसद को ध्यान देना चाहिए। बिलासपुर - नागपुर वंदेभारत एक्सप्रेस, हावड़ा - मुंबई गीतांजली एक्सप्रेस, बिलासपुर - चेन्नई एक्सप्रेस, बिलासपुर - हापा एक्सप्रेस, भुनेश्वर - कुर्ला एक्सप्रेस, हावड़ा - शिरडी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव भाटापारा में क्षेत्र वासी एक लंबे समय से देने की मांग कर रहे है। जिसपर गंभीरता से प्रयास की जरूरत है। इसी प्रकार राज्य शासन की ओर से भाटापारा क्षेत्र को मेडिकल कॉलेज की दरकार है। वहीं 100 बिस्तर शासकीय अस्पताल के लिए भवन निर्माण की स्वीकृति भी राज्य शासन को देना चाहिए। इसी तरह शहर में अपर कलेक्टर व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का पूर्णकालिक व स्थायी कार्यालय संपूर्ण स्टाफ के साथ प्रारंभ करने की दिशा में भी सार्थक अधिसूचना राज्य शासन को जारी करना चाहिए। इस तरह एक लंबे समय से भाटापारा क्षेत्र की उपेक्षा का १ म जारी है। विकास के नाम पर केवल नाली निर्माण व सीसी रोड निर्माण को प्रचारित किया जा रहा है। जो किसी भी शहर के विकास के लिए कोई बड़ी सौगात नही है।

वोट चोरी रोकने के लिए जागरूक रहने की बात कही मोहम्मद अकबर ने



भाटापारा। शहर से 17 किलोमीटर दुर ग्राम निपनिया में कांग्रेस द्वारा वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक अवसर पर पूर्व केबीनेट मंत्री मोहम्मद अकबर विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगो को मताधिकार के महत्व लोकतंत्र की मजबुती एवं मतदाता सुची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए। कहा कि वोट चोरी रोकने के लिए सभी जागरूक होना पड़ेगा। उपरोक्त अवसर पर पूर्व विधायक चैतराम साहु, कुबेर यदु, संतोष सोनी, रमेश घृतलहरे, अजीत बाजपेयी, मनमोहन कुर्रे , राजा तिवारी, मोहन निषाद, विजय महिलांगे, सुंदर साहु, नरेश नेम, भरत वर्मा , जितु ठाकुर, दिनेश तिवारी, हिम्मतलाल शर्मा सहित पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा उपस्थित थे।

भाटापारा अधिवक्ता संघ द्वारा दीपावली मिलन समारोह संपन्न



भाटापारा। अधिवक्ता संघ द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उक कार्यर म में अपर जिला न्यायाधीश सतीश कुमार जायसवाल, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश अशोक कुमार लाल एवं व्यवहार न्यायाधीश सुश्री रिदिद बुरड़ की उपस्थिति रही। इस कार्यर म में अनिल मिश्रा, लोकेश कुमार वर्मा, नरेंद्र यदु सहित शहर व क्षेत्र के तमाम अधिवक्तागण उपस्थित थे।

फिर शुरू हो गया भाटापारा क्षेत्र से दूसरे राज्य की ओर काम की तलाश में बाहर जाने वाले ग्रामीणों का पलायन

ब्यूरोचीफ संतोष साहू

भाटापारा। क्षेत्र में धान की कटाई का कार्य पूर्ण होने के बाद बड़ी तादाद में ग्रामीण क्षेत्र से ग्रामीण परिवार सहित दुसरे राज्यों के महानगरों की ओर काम की तलाश में पलायन कर रहे है।



जिसके कारण भाटापारा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। पलायन कर्ता ग्रामीण देश के अन्य प्रांत के महानगर अहमदाबाद, कच्छ , भुज , सुरत, मुंबई, पानीपत, सोनीपत, हिसार, जम्मु, पुणे, टाटा नगर , कानपुर, नागपुर, लखनऊ,अमृतसर , लुधियाना, पटियाला , हैदराबाद, सिकंदराबाद, बैंगलोर, कन्हान, जेपाल, इंदौर के अलावा अन्य शहरों की ओर बड़ी तादाद में पलायन पर जा रहे है। पलायनकर्ता मजदुर व ग्रामीणों का कहना है कि चूकि अब दीपावली पर्व व खेती किसानी का काम अंतिम चरण में पहुंचकर खत्म हो गया है। और क्षेत्र में कोई रोजगार मूलक पर्याप्त काम नही है इसलिए वे राज्य छोड़कर महानगरों की ओर काम पर जा रहे है। ज्यादातर मजदुर जो कि ग्रामीण क्षेत्र से है वे अपने परिवार के साथ भाटापारा स्टेशन पहुंचकर यहां से अनेक ट्रेनों जिसमें संपर्क र ति एक्सप्रेस, दुर्ग - उधमपुर एक्सप्रेस, कोरबा - अमृतसर एक्सप्रेस, रायगढ़ - निजामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस, दुर्ग अजमेर एक्सप्रेस, बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस, दुर्ग - कानपुर नवतनवा एक्सप्रेस, दुर्ग - आरा सारनाथ एक्सप्रेस, हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस सहित अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों में सवार होकर महानगरो की ओर जा रहे है। इस बार प्रायः सभी ट्रेनों में जनरल बोगियों में भारी भीड़ के कारण पलायनकर्ता ग्रामीण अब बकायदा स्लीपर क्लास में टिकट बुक कर भी सवार हो रहे है। काम पर बाहर जाने वाले ग्रामीणों की तादाद आगामी महीनों में और भी तेज होने की संभावना है। बहरहाल ग्रामीणों के पलायन से राज्य शासन को चाहिए कि बड़ी तादाद में वे रोजगार मूलक कार्य गांव गांव शीघ्र प्रारंभ करे।

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

किसानों से लिया व्यवस्थाओं का फीडबैक, सुचारू खरीदी के दिए निर्देश

बेमेतरा। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयालदास बघेल ने आज नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तेंदुआ, चिचोली, मारो एवं झिलगा स्थित धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर धान खरीदी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान मंत्री श्री बघेल ने केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं खरीदी प्रक्रिया की जानकारी ली तथा किसान भाइयों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।

मंत्री श्री बघेल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की किसान हितैषी सोच एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की खुशहाली और





समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों से 3,100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की जा रही है। इसके साथ ही कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को 13,839 रूपए प्रति एकड़ की आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस वर्ष विशेष व्यवस्था के तहत 21 क्विंटल से कम धान विक्रय करने वाले पात्र किसानों को भी सत्यापित रकबे के आधार पर पूरी आदान सहायता का लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री बघेल ने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा, पारदर्शिता एवं सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं का सम्मान, उनकी आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र को समृद्ध बनाना हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचे।

विजय चांडक के नेतृत्व में माहेश्वरी पंचायत साजा को मिलेगी नई दिशा, सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन

ब्यूरोचीफ अनिल सिंघानिया

थान खम्हरिया । माहेश्वरी समाज की एकता, संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा देने के उद्देश्य से माहेश्वरी पंचायत साजा की नई कार्यकारिणी का गठन पिछले दिनों माहेश्वरी भवन के सभा भवन में सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस दौरान समाजजनों ने आपसी सहमति और एकजुटता का परिचय देते हुए सभी पदों पर सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया।



विजय चांडक



अशोक कुमार राठी



सुरेश कुमार चांडक



मनोजकुमार चांडक

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी विजय कुमार चांडक को सौंपी गई। वहीं उपाध्यक्ष पद पर अशोक कुमार राठी (जे.आर.), सचिव पद पर सुरेश चांडक (पप्पू) तथा कोषाध्यक्ष पद पर मनोज चांडक को सर्वसम्मति से चुना गया।

चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया माहेश्वरी पंचायत साजा के संरक्षक कुंदनमल गांधी के निर्देशन में संपन्न हुई। वहीं चुनाव संचालन का दायित्व हरिशंकर टावरी ने निभाया। समाजजनों की आपसी सहमति से हुए इस चयन ने समाज की एकजुटता, आपसी विश्वास और संगठनात्मक मजबूती का संदेश दिया।

नवनियुक्त अध्यक्ष विजय कुमार चांडक के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी के सामने समाज को संगठित रखने, नई पीढ़ी को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने तथा समाज की परंपराओं और संस्कारों को आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। साथ ही समाज के वरिष्ठजनों के अनुभवों का लाभ लेते हुए युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना भी प्राथमिकता रहेगी।

सामाजिक संगठनों की वास्तविक सार्थकता जरूरतमंद परिवारों की सहायता, शिक्षा को प्रोत्साहन, प्रतिभाओं का सम्मान, पारिवारिक एवं सामाजिक समरसता तथा सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने में निहित होती है। ऐसे में नई कार्यकारिणी से समाजजनों को उम्मीद है कि वह सामूहिक नेतृत्व और सहभागिता की भावना के साथ इन गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

समाजजनों ने विश्वास जताया कि विजय कुमार चांडक के नेतृत्व में नई टीम वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और युवाओं के सहयोग से माहेश्वरी पंचायत साजा को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। सर्वसम्मति से हुआ यह गठन समाज की एकता, सद्भाव और सकारात्मक सोच का परिचायक बना।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर उरकुरा स्टेशन में संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया

रायपुर। दिनांक 13 नवंबर 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों के साथ उरकुरा स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई- शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां तथा स्टेबल लोड का सिक्योरिंग, स्पैड से बचाव एवं ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सेक्शन के भीतर रिलीफ इंजन/ट्रेन के लिये आगे बढ़ने का प्राधिकार एवं ट्रेन के परिचालन के दौरान चालक, परिचालक द्वारा ली जाने वाली सावधानियाँ, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा बरती जाने वाली शीतकालीन





सावधानियां एवं निजी संरक्षा,पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफलता के दौरान परिचालन एवं सिग्नल कर्मचारियों के द्वारा बरती जनेवाली सावधानियां, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, तथा आग से बचाव एवं अग्निशामक यंत्र के उपयोग का प्रदर्शन। इस संरक्षा सेमिनार में श्री सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर के साथ-साथ संरक्षा सलाहकारो ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके। उक्त संरक्षा संगोष्ठी में संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर, एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर कुल 57 लोगों ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

शहीदों के सम्मान में बनाये गये जय स्तंभ में गन्ना डंप किये जाने से लोगो में आक्रोश



भाटापारा। देश के आजादी के बाद शहीदों की स्मृति में जय स्तंभ चौक के पास बनाये गये जय स्तंभ स्थल का दुरूपयोग इन दिनों कुछ लोग कर रहे है। जबकि जय स्तंभ शहीदों के सम्मान का प्रतीक है। जय स्तंभ के घेरे के भीतर कुछ लोगो ने मेटाडोर से गन्ना बिक्री के लिए मंगाकर जय स्तंभ के भीतर ही डंप कर दिया है। जिससे लोगो में आक्रोश व्याप्त है। इस दिशा में लोगो ने कहा है कि देश के शहीदों के सम्मान के लिए बनाये गये सम्मानीय स्थल जय स्तंभ में गन्ना व अन्य सामान रखना शहीदों का अपमान है। इस दिशा में प्रशासन सख्त कार्यवाही करते हुए जय स्तंभ चौक से तथा जय स्तंभ चौक के बाउंड्री के भीतर डंप किये गये गन्ना को अविलंब हटाकर शहीदों का अपमान रोकने की दिशा में कदम उठाये।

जीण माता के वार्षिक महोत्सव में शामिल हुए अकबर



भाटापारा। स्थानीय जीण माता मंदिर में 11वां वार्षिक महोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व केबीनेट मंत्री मोहम्मद अकबर विशेष रूप से शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जीण माता की पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिए कामना की उपरोक्त अवसर पर कांग्रेस नेता रमेश घृतलहरे , संतोष सोनी, अजीत बाजपेयी, अजय ठाकुर के अलावा लक्ष्मी नारायण सोनी, जय सोनी, कमल सोनी, लड्डू सोनी, योगेश सोनी, विष्णु सोनी सहित बड़ी तादाद में अन्य लोग मोजूद थे।

विधायक साव ने पटवारियों के आंदोलन का समर्थन किया



भाटापारा। कांग्रेस विधायक इन्द्र साव ने राजस्व पटवारी संघ के हड़ताल को समर्थन देते हुए उनके पंडाल में पहुंचकर उनकी मांग का समर्थन किया है। विधायक साव ने कहा है कि पटवारियों की 37 दिनों से जारी हड़ताल का अब तक समाधान निकाल नही पाना सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। साव ने पटवारियों की मांग का समर्थन करते हुए आगे कहा है कि व्यवहारिक रूप से पीवी ऐप जिसमें खेत खेत जाकर फोटो खीचना वह कार्य वर्तमान में संभव नही है। किसानों को जो समस्या आई है वो केवल पीवी और डीसीएस के कारण है। पीवी ऐप बनाने वाली जो भी कंपनी या संस्था है उसे जांच के दायरे में लेना चाहिए। उन्होंने सवाल किया है कि ऐप यदि सही था तो रकबा शून्य क्यो हुआ तथा धान के स्थान पर अन्य फसल दर्ज क्यो हुआ। इन्द्र साव ने किसान हित में पीवी ऐप बंद करने तथा भुईयां पोर्टल में गिरदावरी एंट्री का ऑप्शन प्रारंभ करने की मांग की है। जिससे किसानों की फसल का सुधार सरल तरीके से किया जा सके। उन्होंने पटवारियों के आंदोलन को दबाने के लिए की जा रही स्थानांतरण निलंबन व सर्विस ब्रेक की कार्यवाही को दमनात्मक बताते हुए उक्त कार्यवाही को शून्य घोषित करने की मांग की है। उन्होंने सवाल किया है कि जब सभी विभाग में कर्मचारियों को पदोन्नत किया जाता है तो पटवारियों को पदोन्ती देने में उदेभाव क्यो किया जा रहा है। उक्त स्थल पर भुपेन्द्र ध्रुव, वंदना ध्रुव , बलराम साहु, गायत्री सोनी, नेहा , धाकड़े , पालेश्वर , राजीव रंजन, विनिता सोनवानी, केशव , कृष्ण मिरी, आफिफ अली , बिरेन्द्र दीवान, टिकाराम यदु, योगेन्द्र शर्मा, नरेन्द्र वर्मा, उमेश ध्रुव, तरूण वर्मा, भावेश वर्मा, विजय डहरिया , मनेष मंडावी, रसपाल सिंग सेन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

धान खरीदी में अन्नदाताओं को न हो कोई असुविधा- सहकारिता मंत्री केदार कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया तेजी से जारी है। इस बीच, सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने धान खरीदी व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि खरीदी के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने और किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर करने पर विशेष जोर दिया है। मंत्री श्री कश्यप ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों के आर्थिक हितों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसानों की सुविधा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सहकारिता मंत्री श्री कश्यप ने जानकारी दी कि इस वर्ष प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की एक समान आदान सहायता प्रदान की जा रही है। सबसे बड़ा लाभ यह है कि प्रति एकड़ निर्धारित अधिकतम सीमा 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी पूरी आदान सहायता का लाभ मिलेगा। इस ऐतिहासिक निर्णय से कम उत्पादन वाले क्षेत्रों के साथ-साथ लघु, सीमांत और जनजातीय अंचलों के किसानों को विशेष रूप से बड़ी राहत मिलेगी।

बस्तर में बंदूक की जगह खेल के मैदान, भय और हिंसा की जगह विश्वास एवं विकास का नया वातावरण बन रहा है : नितिन नबीन

धरमजयगढ़ में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन, भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

रायगढ़/धरमजयगढ़। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ स्थित ऐतिहासिक दशहरा मैदान में राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में हजारों की संख्या में जनजातीय समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया, वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समारोह में शामिल होकर जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, परंपरा और बलिदान को नमन किया। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन अपनी संस्कृति, स्वाभिमान, अधिकारों और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। जनजातीय गौरव दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि महान जनजातीय नायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने प्रतिकूल मौसम के कारण समारोह में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हो पाने पर खेद व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

श्री नवीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों, बलिदानियों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति की धरती है। शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधुर, शहीद





गेंद सिंह, तिलका मांझी, बुधु भगत, टंट्या भील और लक्ष्मण नायक जैसे महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष देश के इतिहास में सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। जनजातीय समाज भारत की संस्कृति, सभ्यता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का सशक्त प्रहरी रहा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की उनकी परंपरा पूरी मानवता के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेकर जनजातीय समाज के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और लगभग 24 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान वाली पीएम-जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय बहुल गांवों में आवास, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बस्तर में बदलते हालात का उल्लेख करते हुए श्री नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को निर्णायक सफलता मिल रही है।

उन्होंने सुरक्षाबलों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए नक्सली हिंसा से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन क्षेत्रों में कभी बंदूकों की आवाज सुनाई देती थी, वहां आज खेल के मैदान तैयार हो रहे हैं। बच्चे और युवा शिक्षा, खेल तथा कौशल के माध्यम से अपने सपनों को नई उड़ान दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं के हाथों में बंदूक की जगह खेल का सामान और हिंसा की जगह नई उम्मीदें देने का काम किया है। जब बंदूक की जगह खेल का मैदान, हिंसा की जगह शिक्षा और भय की जगह विश्वास लेता है, तब विकास को कोई नहीं रोक सकता।

गौमाता भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग - राज्यपाल

गोपाष्टमी पर गौशाला में की पूजा-अर्चना, पक्षी घर का किया लोकार्पण

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज गोपाष्टमी के अवसर पर विश्वगीता धेनु गोविंद पक्षी सेवा धाम, परसदा, कुम्हारी पहुंचे। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण और गौ माता के दर्शन किए और उनकी पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने गौधाम में स्थापित पक्षी घर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने गौशाला का भ्रमण किया और गौ माता को चारा खिलाकर उनकी सेवा की।

राज्यपाल श्री डेका ने प्रदेशवासियों को गोपाष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप और गौ माता के प्रति हमारी श्रद्धा एवं आस्था का पर्व है। भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष स्थान है। हालांकि गौसेवा केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बीमार, घायल, वृद्ध और बेसहारा गोवंश की देखभाल करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर बढ़ते यातायात के कारण गोवंश के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में घायल गोवंश को समय पर उपचार उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस दिशा में गौ अस्पताल और रेस्क्यू सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।





राज्यपाल ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सदियों से गौवंश पर आधारित रही है। गांवों में गोबर का उपयोग अनेक कार्यों में किया जाता था। गोबर और मिट्टी से बने घर पर्यावरण के अनुकूल होते थे। समय के साथ हमारी पारंपरिक जीवनशैली में बदलाव आया है। हमें फिर से प्रकृति के अनुकूल जीवन पद्धति अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि गोबर से बायोगैस और जैविक खाद को बढ़ावा देने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है।

श्री डेका ने कहा कि गौ माता की सेवा और सतत विकास की अवधारणा एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में गोवंश का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे गौशालाओं में आएं, कुछ समय बिताएं और गौ माता की सेवा में सहभागी बनें। इससे सेवा भाव विकसित होने के साथ मानसिक शांति भी मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करना चाहिए, जिसमें किसी प्रकार के लेन-देन की भावना न हो और जिससे समाज का भला हो।

इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमें जैविक और प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। गोबर से बनी खाद के उपयोग से खेती की गुणवत्ता और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि गोबर खाद के उपयोग को बढ़ावा देने से गोवंश का महत्व बढ़ेगा और लोग उनकी बेहतर देखभाल के लिए प्रेरित होंगे। प्रेरक वक्ता श्री उज्ज्वल पाटनी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए गौसेवा के लिए प्रत्येक व्यक्ति से अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

गौधाम के संरक्षक श्री गोपाल प्रसाद सुल्तानिया ने कहा कि सड़कों पर गौ माताओं की दुर्दशा और उनकी देखभाल की आवश्यकता को देखते हुए इस गौधाम की परिकल्पना की गई थी, जिसे अब साकार रूप दिया गया है। प्रमुख ट्रस्टी श्री सुधीर सुल्तानिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा, श्री संपत अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री गौरीशंकर अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सुल्तानिया परिवार के सदस्य, गौसेवक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।





छत्तीसगढ़ में स्वामित्व योजना का 77.47 फीसदी काम पूरा

रायपुर। गांवों में जमीन और मकान के मालिकाना हक को लेकर विवाद कम करने के लिए चल रही स्वामित्व योजना में छत्तीसगढ़ ने 77.47% काम पूरा कर लिया है। प्रदेश के 11912 गांवों में जमीन और मकानों के रिकॉर्ड का अंतिम प्रकाशन हो चुका है। इन गांवों के आधार पर अब तक 11 लाख 8 हजार 63 अधिकार अभिलेख (प्रॉपर्टी कार्ड) तैयार किए गए हैं। मुख्य सचिव विकासशील ने बुधवार को मंत्रालय में योजना की समीक्षा की। उन्होंने बाकी काम तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 15795 गांवों में ड्रोन से सर्वे किया जा चुका है। योजना के तहत ड्रोन की मदद से गांवों के आबादी वाले क्षेत्रों का सर्वे कर डिजिटल नक्शे तैयार किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में मकानों और भूखंडों का मालिकाना रिकॉर्ड तैयार करने के लिए 24 अप्रैल 2020 को स्वामित्व योजना शुरू की। इसका संचालन केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय करता है। शुरुआत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे 9 राज्यों में पायलट सर्वे हुआ। इसके बाद 24 अप्रैल 2021 को योजना का देशव्यापी विस्तार किया गया। छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ इसके लिए समझौता किया। योजना में गांवों की सीमाओं पर चूना-मार्किंग के बाद ड्रोन से सर्वे किया जाता है। इससे डिजिटल नक्शे तैयार होते हैं। राजस्व विभाग इनका सत्यापन करता है। ग्रामीणों से दावे-आपत्तियां लेकर उनका निराकरण किया जाता है। इसके बाद संपत्ति मालिकों को अधिकार अभिलेख यानी प्रॉपर्टी कार्ड दिए जाते हैं। इसका उद्देश्य संपत्ति विवाद कम करना और ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध कराना है।



कोहरे के मौसम में संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष तैयारी

लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी देने में सहायक हैं 3657 फॉग सेफ डिवाइस

बिलासपुर/रायपुर। सर्दियों के मौसम में कोहरे के कारण ट्रेन परिचालन में आने वाली चुनौतियों से निपटने तथा यात्रियों की संरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। इसी क्रम में रेलवे द्वारा अपने तीनों रेल मंडलों में लगभग 3657 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं।

जीपीएस आधारित यह आधुनिक उपकरण घने कोहरे के दौरान लोको पायलटों को रेल मार्ग में आने वाले सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट, रेलवे स्टेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रेल नेटवर्क भौगोलिक दृष्टि से विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसमें मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ घने जंगलों एवं पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं। विशेष रूप से खोंगसरा एवं भनवारटंक के आसपास के रेलखंडों में सर्दियों के दौरान घना कोहरा ट्रेन परिचालन को प्रभावित करता है। ऐसे में ट्रेन परिचालन के दौरान लोको पायलटों को सिग्नल एवं रेल मार्ग को देखने में फॉग सेफ डिवाइस महत्वपूर्ण सहायक की भूमिका निभाता है।



क्या है फॉग सेफ डिवाइस और कैसे करता है काम?

फॉग सेफ डिवाइस एक जीपीएस आधारित नेविगेशन उपकरण है, जो लोको पायलट को रेल मार्ग की पूर्व निर्धारित जानकारी उपलब्ध कराता है। इसमें एक एंटीना लगा होता है, जो जीपीएस सिग्नल प्राप्त करता है। साथ ही, इसकी मेमोरी में संबंधित रेल मार्ग की जानकारी पहले से फीड रहती है। इसमें मार्ग में पड़ने वाले रेलवे स्टेशन, सिग्नल, मानवित एवं अमानवित समपार फाटक तथा न्यूट्रल सेक्शन जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का विवरण दर्ज होता है।



जीपीएस आधारित तकनीक से घने कोहरे में भी ट्रेन परिचालन को अधिक संरक्षित एवं सुगम बनाने में मिल रही मदद

यह उपकरण लोको पायलट को इन स्थलों के संबंध में स्क्रीन पर जानकारी प्रदर्शित करने के साथ-साथ ऑडियो अलर्ट भी प्रदान करता है। इसके माध्यम से भौगोलिक क्रम में आने वाले अगले तीन निर्धारित सिग्नल की जानकारी लगभग 500 मीटर पहले तक प्राप्त हो सकती है। इससे लोको पायलट को आगे आने वाले महत्वपूर्ण सिग्नलों के प्रति पहले से सतर्क रहने और निर्धारित परिचालन नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने में सहायता मिलती है।

सामान्य परिस्थितियों में लोको पायलट सिग्नलों को देखकर ट्रेन का परिचालन करते हैं, लेकिन घने कोहरे में दृश्यता कम होने के कारण सिग्नल को समय पर देख पाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसी स्थिति में फॉग सेफ डिवाइस से मिलने वाली पूर्व सूचना लोको पायलटों के लिए काफी उपयोगी साबित होती है।

विभिन्न प्रकार के रेलखंडों एवं इंजनों में उपयोगी

फॉग सेफ डिवाइस सिंगल लाइन, डबल लाइन, विद्युतीकृत एवं गैर-विद्युतीकृत सभी प्रकार के रेलखंडों के लिए उपयुक्त है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक एवं डीजल इंजनों के साथ-साथ ईएमयू, मेमू एवं डेमू ट्रेनों में भी किया जा सकता है। इसमें 18 घंटे का इन-बिल्ट रिचार्जेबल बैटरी बैकअप उपलब्ध है। यह उपकरण आकार में छोटा, वजन में हल्का, पोर्टेबल एवं मजबूत बनावट वाला है। लोको पायलट इसे अपनी ड्यूटी के दौरान आसानी से साथ ले जाकर इंजन के कैब डेस्क पर रख सकते हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा फॉग सेफ डिवाइस का उपयोग कोहरे के मौसम में ट्रेन परिचालन को अधिक संरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह तकनीक लोको पायलटों को बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करती है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों की संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक एवं बेहतर परिचालन व्यवस्थाओं के माध्यम से संरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस ईश्वर पब्लिक स्कूल बिरगांव में धूमधाम से मनाया गया

फूड और नशे से दूर रहें, योग एवं प्राकृतिक आहार अपनाएं –डॉ. सोनवानी ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

रायपुर। 18 नवंबर दिन बुधवार को ईश्वर पब्लिक स्कूल में प्राकृतिक चिकित्सा दिवस कार्यक्रम धूमधाम से बनाया गया जिसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया भाग, योग, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली का दिया गया संदेश प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व एवं स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश!

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गेनाइजेशन (INO) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. छगनलाल सोनवानी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. उदयभान सिंह चौहान उपस्थित रहे।



मुख्य अतिथि डॉ. छगनलाल सोनवानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में बच्चों से लेकर बड़ों तक की दैनिक दिनचर्या, खान-पान और जीवनशैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। अनियमित दिनचर्या, जंक फूड का बढ़ता सेवन, पौष्टिक आहार की कमी तथा नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृत्ति मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसके दुष्परिणाम कम उम्र से ही बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए हमें अपनी दिनचर्या में योग, प्राणायाम, प्राकृतिक चिकित्सा एवं संतुलित आहार को अपनाना चाहिए। बच्चों को बचपन से ही पौष्टिक भोजन, अच्छी आदतों और अनुशासित जीवनशैली के प्रति जागरूक करना आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ बच्चे ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

डॉ. सोनवानी ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा क्या है, इसके सिद्धांतों तथा उपचार की विभिन्न विधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने आहार चिकित्सा की उपयोगिता को आकर्षक एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से समझाया। साथ ही जंक फूड और नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को उदाहरणों एवं प्रयोगों के माध्यम से प्रदर्शित कर विद्यार्थियों को जागरूक किया।





कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. उदयभान सिंह चौहान ने प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और प्रकृति का संरक्षण स्वस्थ जीवन का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के संचालक श्री भूपेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. छगनलाल सोनवानी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. उदयभान सिंह चौहान को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया तथा कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देने के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्राकृतिक चिकित्सा, योग, संतुलित आहार, नशामुक्त जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति भाटापारा की ओर से....
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं...
रंजीत दावानी
अध्यक्ष-पोहा मिल संघ भाटापारा
सम्माननीय सदस्यगण

ग्राम पंचायत मोपका
समस्त प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
दीपावली पर्व, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
चेतन वर्मा
सरपंच, ग्राम पंचायत मोपका
नालिक राम तारक
सचिव, ग्राम पंचायत मोपका
विनीत- समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी,
ग्राम पंचायत मोपका, जनपद पंचायत भाटापारा

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा, भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं...
जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, निपनिया
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - मोपका
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - लेवई
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - कोटमी
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - सिंगारपुर
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - केशला
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - करहीबाजार
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - खैरा
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - बिटकुली
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - पाटन
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - धनेली
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - निपनिया
• प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति - कोनी

राईस मिल एसोसिएशन भाटापारा
की ओर से दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
गोपाल अग्रवाल
अध्यक्ष
राईस मिल एसोसिएशन, भाटापारा
सूरज धारानी
सचिव
राईस मिल एसोसिएशन

Signature® Sortex Clear Toor Dall
JALIAWALA GROUP
ALL IS WELL® Premium Quality Sortex Clear Toor Dall
धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज और गुरुनानक जयंती
के पावन पर्वों की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ!
A-One Dharam Kata
100 Ton क्षमता का डिजिटल कांटा
MAHAK FUELS
MAHAK INDUSTRIES | AVON POHA UDYOG | ARSHI DALL MILL | MAHAK INDUSTRIES | KOHINOOR INDUSTRIES
98271-67516, 88152-78692

विनीत- पोहा, मुरमुरा निर्माता कल्याण समिति, भाटापारा

सीमा विजय अग्रवाल
पूर्व विधायक, भाटापारा
अटलजी रानी
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, भाटापारा
देवकर राम साहू
समस्त प्रदेशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
दीपावली पर्व
गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन का निरीक्षण करते हुए यात्रियों से सीधे बातचीत की और उनके यात्रा अनुभवों को जाना। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने युवाओं, महिलाओं और बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने यात्रियों से भारतीय रेलवे द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं और सेवाओं के बारे में उनकी राय पूछी। बातचीत के दौरान अधिकतर यात्रियों ने रेलवे की सुविधाओं में लगातार हो रहे सुधार और आधुनिक बदलावों के लिए रेल मंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया। मंत्री जी ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी पीठ थपथपाई, वहीं बच्चों से हाथ मिलाकर अपना स्नेह जताया।

दालमिल एसोसिएशन
भाटापारा की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को
दीपावली, गोवर्धन पूजा, एवं गुरुनानक जयंती
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
शंकोचों की चौखट पर एक दिया हमारी तरफ से भी...
श्री नरेश आर्य जी
अध्यक्ष
दालमिल एसोसिएशन भाटापारा
विनीत : दाल मिल एसोसिएशन परिवार भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : नारायण भूषणिया द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर-40/44 इंडस्ट्रीयल एरिया बीरगांव उरला रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कराकर एच.डी.डी./49, फेस-2 मेन रोड, कबीर नगर रायपुर से प्रकाशित, संपादक-नारायण भूषणिया मो.नं. 09300491602, RNI पंजीयन क्रमांक: CHHHIN/2010/34778, Email ID- krantirath.cg@gmail.com, / web- www.krantirath.com